www.navpradesh.com

दैनिक

नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ | 2 | आंचलिक | 4 | अभिव्यक्ति | 7 | कारोबार/खेल

RNI NO - MPHIN/2020 /81503 | जबलपुर, सोमवार 25 मई 2026 , शुक्ल पक्ष 09 , विक्रम संवत -2083 | वर्ष -5 अंक - 295 पृष्ठ -08 मूल्य-4 रूपए | जबलपुर, भोपाल, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

जबलपुर-पुणे और जबलपुर-बांद्रा साप्ताहिक ट्रेनों का नियमित संचालन शुरू

जबलपुर

वर्षों से लंबित जबलपुर-पुणे एवं जबलपुर-बांद्रा साप्ताहिक ट्रेनों का नियमित संचालन रविवार से प्रारंभ हो गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, अजय बिश्नोई, नीरज सिंह, संतोष वरकड़े, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, जबलपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी अध्यक्ष संदीप जैन, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी परांजपे, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, डीआरएम सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सिंह ने जबलपुर को मिली इस महत्वपूर्ण रेल सौगात पर नागरिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि वर्षों के संघर्ष, प्रयास और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने विशेष रूप से सांसद आशीष दुबे और राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जबलपुर के विकास के लिए लगातार आवाज उठाई गई, जिसका परिणाम अब सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब जबलपुर को छोटी-बड़ी

सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ता था। रेलवे शहर की पहचान होने के बावजूद अपेक्षित विकास नहीं हो पा रहा था, लेकिन वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की नई दिशा बनी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के कार्यकाल में भारतीय रेलवे में आधुनिकता, यात्री सुविधाओं और निर्णय क्षमता में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिले हैं। राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीक ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्रवासी इस मांग को लेकर प्रयासरत थे। कोरोना काल के दौरान यह प्रक्रिया प्रभावित जरूर हुई, लेकिन जनप्रतिनिधियों और जनता के निरंतर प्रयासों से आज यह मांग पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों, मरीजों और आम यात्रियों को ट्रेन में भीड़ और सीट की कमी के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस संबंध में कई बार पत्राचार और रेल मंत्रालय स्तर पर प्रयास किए गए। उन्होंने बताया कि जनवरी माह में उन्होंने स्वयं रेल मंत्री से मुलाकात कर जबलपुर की जनता की समस्याओं से अवगत कराया था। उन्होंने कहा कि यह निर्णय हजारों परिवारों की सुविधा, विद्यार्थियों के भविष्य और मरीजों की राहत से जुड़ा हुआ है। सांसद दुबे ने कहा कि जब भी जबलपुर के हित में सामूहिक रूप से आवाज उठाई गई, उसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने लगातार जबलपुर की जनता की भावनाओं को समझते हुए क्षेत्र को अनेक रेल सुविधाएं प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनता की अपेक्षाओं और जरूरतों के प्रति जवाबदेह है तथा जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे जनता की मांगों को उचित मंच तक पहुंचाएं।

आज बेबाक

पुलवामा आतंकी हमले में शामिल रहा एक और आतंकवादी हमजा बुरहान पाकिस्तान में कुत्ते की मौत मारा गया। अज्ञात बंदूकधारियों ने उसे गोलियों से भूनकर जहन्नुम रसीद कर दिया। भारत के लिए खुदाई मददगार बने इन अज्ञात बंदूकधारियों ने अब तक दो दर्जन से ज्यादा दहशतगर्दों को बहत्तर हुरों के पास रवाना कर दिया है। इनके खौफ से हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकी सरगना डरपोक चूहे की तरह बिल में छुपे बैठे हैं। खैर बकरे की अम्मा आखिर कब तक खैर मनाएगी? कैरी की तरह कब तक छुपे रहेंगे पत्तों की आड़ में, कभी तो आएंगे बाजार में।

गुजरात में बैंक से 8.70 करोड़ रुपए चुराने वाला कर्मचारी गिरफ्तार

अहमदाबाद/एजेंसी। अहमदाबाद में आरबीआई के करेंसी चेस्ट बैंक से 8.70 करोड़ रुपए चुराने वाले कस्टोडियन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 13 जनवरी की रात 9:12 बैंक का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें कस्टोडियन और उसके दो साथी बक्सों में भरकर रुपए ले जाते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने आरोपी के दो साथियों को भी हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। जांच में सामने आया है कि आरोपी ने चोरी के पैसों से अहमदाबाद में 2 करोड़ का बंगला और 1.40 करोड़ रुपए की दुकान भी खरीद ली है।

कर्नाटक में नीट छात्रा ने आत्महत्या की

नई दिल्ली/एजेंसी। कर्नाटक के कलबुर्गी में 18 साल की नीट छात्रा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा की पहचान भाग्यश्री के रूप में हुई है। उसने नीट -यूजी की परीक्षा दी थी। पुलिस के मुताबिक, मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। छात्रा के पिता राजशेखर ने बताया कि परिवार में किसी तरह की परेशानी नहीं थी और बेटी पढ़ाई में काफी अच्छी थी। भाग्यश्री ने हाल ही में 12वीं परीक्षा में 92 प्रतिशत अंक हासिल किए थे और नीट परीक्षा भी अच्छी गई थी। नीट-यूजी परीक्षा देश भर में 3 मई को आयोजित की गई थी। हालांकि, पेपर लीक के आरोपों के बाद 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने दोबारा परीक्षा 21 जून को कराने की घोषणा की है।

गरमा-गरम

मौसम की मार : नवतपा से पहले ही 46 डिग्री पहुंचा पारा, हीटवेव का ऑरेंज अलर्ट जारी

भीषण गर्मी की चपेट में छत्तीसगढ़

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ इन दिनों भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। प्रदेश के अधिकांश जिलों में सूरज आग बरसा रहा है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि शाम और रात के समय भी गर्म हवा से राहत नहीं मिल रही।

राजनांदगांव रहा सबसे गर्म जिला: शनिवार को प्रदेश में सबसे अधिक तापमान राजनांदगांव में 46 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार को भी राजनांदगांव सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 45.5 रिकार्ड किया गया। इसके अलावा दुर्ग में 44.5 डिग्री, बेमेतरा में 44.3 डिग्री, बिलासपुर 44.2 डिग्री और रायपुर 44.1 में डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। बढ़ते तापमान ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग के अनुसार 25 मई से नवतपा की शुरुआत होने जा रही है। इसके शुरुआती चार दिनों में तापमान 47 डिग्री के पार पहुंचने की आशंका जताई गई है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में गर्मी और अधिक बढ़ सकती है।

तीन संभागों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

भीषण गर्मी को देखते हुए मौसम विभाग ने रायपुर संभाग, बिलासपुर संभाग और सरगुजा संभाग के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर समेत 18 जिलों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज गर्म हवाएं चलेगीं और तापमान 44-45 डिग्री तक पहुंच सकता है।

जिला प्रशासन और मौसम विभाग की अपील

मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा है कि बेहद जरुरी होने पर ही घर से बाहर निकले। साथ ही गर्मी से बचाव के लिए पानी, छाछ और अन्य तरल पदार्थों का अधिक सेवन करने की सलाह दी है। प्रशासन ने सावधानी बरतने की अपील की है।

गर्म हवाओं से स्वास्थ्य पर खतरा

लगातार चल रही लू और गर्म हवाओं से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन, चक्कर और कमजोरी की शिकायत वाले मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। डॉक्टरों ने लोगों को पर्याप्त पानी पीने, हल्के कपड़े पहनने और धूप से बचने की सलाह दी है।

यूपी के 6 शहरों में 48 डिग्री तापमान, राजस्थान-एमपी सहित 12 राज्यों में 47 पार

दिल्ली/ए.। दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में रविवार को भारत के 97 शहर शामिल हैं। प्राइवेट एजेंसी एक्यूआई.इन के मुताबिक टॉप 10 सबसे गर्म शहरों में यूपी के 6 शहर हैं, जहां दोपहर 2 बजे 48 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। इनमें प्रयागराज सबसे ऊपर रहा।

यूपी, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, बिहार, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, उत्तराखंड, हरियाणा और महाराष्ट्र के 37 शहरों में तापमान 47 डिग्री

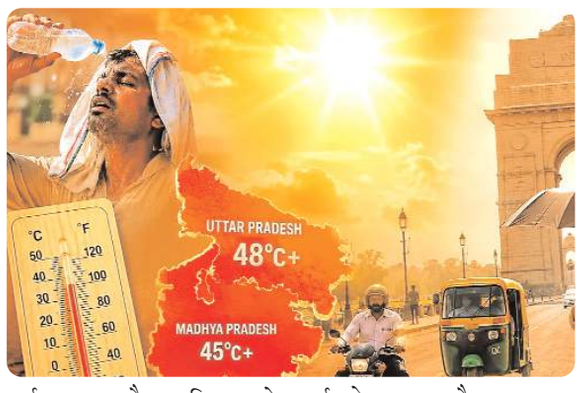

दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 26 और 27 मई को तापमान और बढ़ सकता है। इससे पहले शनिवार को महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी 47.1 डिग्री तापमान के साथ लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म शहर रहा। तेलंगाना के 7 जिलों में हीटस्ट्रोक के कारण इस गर्मी सीजन में 16 लोगों की मौत हो चुकी है।

मौसम विभाग ने तेलंगाना के हैदराबाद, रंगारेड्डी, करीमनगर, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यपेट, मुलुगु, महबूबनगर में 26 मई तक हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। लोगों को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है।

ईरान का अमेरिका को यूरेनियम सौंपने से इनकार, यह डील का हिस्सा नहीं

n ये मौजूदा डील का हिस्सा नहीं, ट्रम्प ने कल कहा था- इसे लेकर रहेंगे

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी। ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अपना हाईली एनरिच्ड यूरेनियम भंडार अमेरिका को नहीं सौंपेगा। रॉयटर्स के मुताबिक, एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने कहा है कि मौजूदा शुरुआती समझौते में परमाणु मुद्दा शामिल ही नहीं है।

सूत्र के मुताबिक, ईरान के परमाणु कार्यक्रम और यूरेनियम भंडार पर बातचीत बाद में अंतिम समझौते के दौरान होगी। फिलहाल ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है कि यूरेनियम देश से बाहर भेजा जाएगा। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कल कहा था कि अमेरिका ईरान को हाईली एनरिच्ड यूरेनियम रखने नहीं देगा। उन्होंने कहा था कि हम उसे हासिल करेंगे।

बलूचिस्तान प्रांत में रेलवे ट्रैक के पास आत्मघाती हमला, 24 मौतें, 82 घायल

n जाफर एक्सप्रेस के कई डिब्बे पटरी से उतरे

इस्लामाबाद/एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा में रविवार को एक आत्मघाती हमले में 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 82 घायल हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक यह हादसा एक रेलवे ट्रैक के नजदीक हुआ, जिसके चपेट में जाफर एक्सप्रेस आ गई। ट्रेन क्वेटा कैंट की ओर जा रही थी। विस्फोट इतना जोरदार था कि ट्रेन के कई डिब्बे पटरी से उतर गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। धमाके के बाद रेलवे ट्रैक के पास आग लग गई। फायर ब्रिगेड, पुलिस, रेस्क्यू टीम और सुरक्षा बल तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव ऑपरेशन शुरू किया गया।

बंगाल के फालता में पहली बार भाजपा जीती सीपीएम प्रत्याशी को 1.09 लाख वोटों से हराया

n चुनाव से हटे टीएमसी के जहांगीर को 7783 वोट

कोलकाता/एजेंसी। पश्चिम बंगाल की फालता सीट पर भाजपा ने जीत हासिल कर ली है। बीजेपी उम्मीदवार देबांग्शु ने 1 लाख से ज्यादा वोटों के अंतर से जीत हासिल की। उन्हें 1.49 लाख से ज्यादा वोट मिले।

सीपीएम के उम्मीदवार शंभूनाथ कुर्मी 40 हजार वोट के साथ दूसरे नंबर पर रहे। वहीं चुनाव से पीछे हटने वाले टीएमसी के जहांगीर चौथे नंबर पर रहे। फालता में जीत के साथ भाजपा की अब कुल सीटें 208 हो गई हैं। 4 मई को आए रिजल्ट में भाजपा को 207 सीटें मिलीं थीं।

21 मई को रिपोलिंग, 2% बढ़ गया था मतदान

यहां 285 बूथों पर 21 मई को दोबारा मतदान कराया गया था। रीपोलिंग में वोटिंग करीब 2% बढ़ गई। चुनाव आयोग के मुताबिक यहां 88.13% मतदान हुआ। इससे पहले, 29 अप्रैल को इसी सीट पर 86.71% मतदान हुआ था।

म.प्र. वक्फ बोर्ड को मिली कानूनी और प्रशासनिक मजबूती

भोपाल। नवप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड ने नवीन वक्फ अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से वक्फ संपत्तियों के संरक्षण, पारदर्शी प्रबंधन और जनहित में उनका उपयोग सुनिश्चित करने के लिए ऐतिहासिक और प्रभावी कार्रवाई की है। वक्फ बोर्ड की संपत्तियों से वर्षों से अवैध कब्जाधारियों को हटाया गया और भौतिक सत्यापन के बाद जरुरतमंद लोगों को संपत्ति के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया गया। वक्फ बोर्ड की आय कैसे बड़े इस पर अन्य राज्यों की वफ्फ समितियां से चर्चा कर, राजस्व बढ़ाने के लिए कार्य किया गया। भारत सरकार द्वारा वक्फ संपतियों का लेखा-

जोखा उम्मीद पोर्टल पर दर्ज कराने में म.प्र. वक्फ बोर्ड ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। परिणामस्वरूप म.प्र. वक्फ बोर्ड को स्कॉच अवार्ड से नवाजा गया। म.प्र. वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने बताया कि देश में वक्फ संशोधन कानून लागू होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में म.प्र. वक्फ बोर्ड ने कानून के मंशानुरूप कई समाजिक परिवर्तनकारी कार्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज को नई दिशा दी है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री की इच्छा शक्ति के परिणामस्वरूप 1552 बेटा-बेटियों को ड्रॉप आउट होने से बचाया गया। वे आगे की पढ़ाई जारी रख सकें, इसके लिए समुचित रुप से आर्थिक सहायता की व्यवस्था भी की गई, नवीन वक्फ अधिनियम के बाद समाज के बेटा-बेटियों के लिए नई राहें खुली है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 25 मई को रवीन्द्र भवन में भोपाल जिले के 849 मेधावी बेटा-बेटियों को स्कॉलरशिप प्रदान कर सम्मानित करेंगे। यह शुरुआत है, वक्फ बोर्ड मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में इस तरह बेटा-बेटियों को स्कॉलरशिप देकर सम्मानित करेगा। मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड द्वारा पढ़ो पढ़ाओ - राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनों जैसे नवाचार की चर्चा के बाद मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड की योजनाओं और कार्य करने की शैली को समझने के लिए अनेक राज्यों द्वारा अपने अधिकारी- कर्मचारियों को मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के कार्यालय में भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशन में नवीन वक्फ अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन से मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड को कानूनी एवं प्रशासनिक मजबूती प्राप्त हुई।

नवनिर्मित सीसी मार्ग का लोकार्पण

लोक निर्माण मंत्री ने किया निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

जबलपुर।नवप्रदेश

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने आज शहर में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मंत्री सिंह ने शंकरशाह वार्ड के पटेल मोहल्ला में आयोजित कार्यक्रम में पटेल मोहल्ला पुलिया से न्यू रामनगर पुलिया तक नवनिर्मित सीसी मार्ग का लोकार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने पश्चिम विधानसभा में किये जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब प्रत्येक वार्डों में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं।

साथ ही कहा कि जनप्रतिनिधि होने का अर्थ है विकास की रफ्तार को तेज रखना। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से आग्रह किया कि यदि और भी कोई कार्य शेष हो, तो वे उसे अवगत कराएं, जिसे आगामी 6 महीनों के भीतर स्वीकृत किया जाएगा। मंत्री सिंह ने विकास कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए नागरिकों से आपेक्षित सहयोग की अपील भी की। उन्होंने कहा कि सीसी सड़क निर्माण के दौरान जब तक वह पूर्ण रूप से पक्का न हो जाये तब तक उसके ऊपर से वाहन न चलायें। कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए मंत्री सिंह ने प्रदेश का सबसे बड़ा फ्लाई ओव्हर का जिक्र करते हुए कहा कि मां नर्मदा के तट गौरीघाट जाने के लिए छोटी लाइन फाटक से साई मंदिर तक फ्लाईओवर, धनवंतरी नगर से जीरो डिग्री तक फ्लाईओवर और सगड़ा में फ्लाईओवर का कार्य स्वीकृत किया गया है। इसके अलावा, रामपुर में 100 बिस्तर वाले अत्याधुनिक अस्पताल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जिसका जल्द ही लोकार्पण किया जाएगा। गोरखपुर बाजार की बिजली लाइनों को अंडरग्राउंड करने की योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि शहर को सुंदर और व्यवस्थित बनाना सरकार की प्राथमिकता है। झंडा चौक में मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य का लोकार्पण ग्वारीघाट के झंडा चौक में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री सिंह ने 1.38 किलोमीटर लंबी मुक्तिधाम मार्ग के मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य का लोकार्पण किया। उन्होंने जानकारी दी कि ग्वारीघाट वार्ड में कई विकास कार्य चल रहे हैं।

गजब है साहब... बिलासपुर के कोनी थाने में कबाड़ कारोबारी की खातिरदारी

n कुर्सी पर बैठाकर चाय पिलाने की तस्वीरें वायरल, प्रधान आरक्षक और आरक्षक लाइन अटैच

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर के कोनी थाने में भीतर कबाड़ माफिया को कुर्सी पर बैठाकर चाय पिलाने की तस्वीरें वायरल हो रही है, जबकि दो पुलिसकर्मी उसके सामने बैठे नजर आ रहे हैं। तस्वीर सामने आने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली और अवैध कारोबारियों से कथित संबंधों को लेकर सवाल उठने लगे।

एसपी के निर्देश के बाद हुई थी कार्रवाई

दो दिन पहले ही बिलासपुर पुलिस के एसपी ने शहर में अवैध कबाड़ कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद कोनी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अकबर खान को थाने बुलाया था। वायरल तस्वीर में प्रधान आरक्षक बालेश्वर तिवारी और आरक्षक अनुज जांगड़े के मौजूद रहे।

जलसंकट के मुहाने पर नदियों का मायका मध्यप्रदेश...

मध्य प्रदेश की 207 नदियों के अस्तित्व पर है संकट, 32 नदियों में से 27 का उद्गम स्थल पूरी तरह सूखा

30 वर्षों में नर्मदा का प्रवाह इतिहास बनने का डर

भोपाल/नवप्रदेश। नदियों का मायका% कहे जाने वाले मध्य प्रदेश की गोद आज सूखी है और उसकी अपनी संतानें कंठ के सूखे मरुस्थल में बूंद-बूंद पानी के लिए छटपटा रही हैं। जिसे हम अपनी आस्था, संस्कृति और जीवन का उद्गम मानते थे, आज वही प्रदेश पानी की एक-एक बूंद के लिए विवश और लाचार खड़ा है। यह केवल इस साल के पारे का बढ़ता हुआ क्रूर मिजाज नहीं है, बल्कि यह हमारी उस सामूहिक अनदेखी, अनियोजित विकास की अंधी दौड़ और प्रकृति के संतुलन से खिलवाड़ का एक भयावह और कड़वा दस्तावेज है, जिसे अब और नजरअंदाज करना नामुमकिन हो चुका है। खुद राज्य के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल ने इस कड़वे सच का खुलासा करते हुए समाज को एक गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि यदि लोगों ने मौजूदा जल संरचनाओं को बचाने के लिए खुद को एक जन-आंदोलन से नहीं जोड़ा, तो भविष्य में आने वाले विनाशकारी संकट की बस कल्पना ही की जा सकती है। इंसान के विकास की अंधी भूख ने प्रकृति की इस अनमोल धरोहर को लील लिया है। आज मध्य प्रदेश की धसान, केन, सिंध, कूनो, शिप्रा, कान्ह, स्वर्ण और तमस जैसी नदियां पूरी तरह से सूख चुकी हैं। चाहे पूर्व से पश्चिम की ओर बहने वाली नर्मदा, माही और ताप्ती हो या दक्षिण से उत्तर की ओर बहने वाली काली सिंध, चंबल, पार्वती और बेतवा; आप किसी भी नदी के किनारे घूम आइए, हर तरफ आपको सिर्फ सिकुड़ती धार, तपती रेत और सूखती हुई सभ्यताएं ही नजर आएंगी।

नव प्रदेश विशेष

बूंद-बूंद को तरसती जिंदगी

भीषण गर्मी के इस दौर में जब आसमान से आग बरस रही है, तब प्रदेश के ग्रामीण अंचलों से आ रही तस्वीरें किसी भी संवेदनशील हृदय को झकझोर कर रख देने के लिए काफी हैं। आज मध्य प्रदेश के आधे से ज्यादा हिस्से में पेयजल व्यवस्था की कागजी हकीकत पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है। ग्रामीण भारत की महिलाएं आज अपनी जान जोखिम में डालकर पानी की जुगत में लगी हैं। कहीं 60 से 70 फीट गहरे और सूखे कुओं के भीतर बिना किसी सुरक्षा उपकरण के, केवल एक रस्सी के सहारे उतरती मां-बेटियों की तस्वीरें रोंगटे खड़ी कर देती हैं, तो कहीं सूखी और मृतप्राय हो चुकी नदियों की तलहटी में घंटों हाथों से रेत को कुरेदकर, झिरी (छोटे गड्ढे) बनाकर मटमैला और दूषित पानी छानते हुए मासूम बच्चे दिखाई देते हैं। दावों की फाइलों में तो हर घर में नल लग चुके हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि पाइपलाइन सूखी हैं, मोटरें जल चुकी हैं और टंकियां केवल सफेद हाथी बनकर खड़ी हैं। अंधाधुंध दोहन के कारण भूजल स्तर रसातल में चला गया है, जिसके कारण हजारों हैंडपंपों ने पानी की जगह केवल सूखी हवा उगलना शुरू कर दिया है। दूषित पानी पीने की मजबूरी से गांवों में महामारियों का डर बढ़ गया है और ग्रामीणों का यह आक्रोश अब चक्काजाम और उग्र प्रदर्शनों के रूप में सड़कों पर उबल रहा है। मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के करोड़ों लोगों की प्यास बुझाने वाली मां नर्मदा को इस पावन धरती पर देवी का दर्जा प्राप्त है। यह नदी मध्य प्रदेश के 16 जिलों में 1077 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करती है और एक विशाल आबादी के जीवन का आधार है। अनूपपुर जिले के अमरकंटक में मैकाल पर्वत से निकलने वाली यह पवित्र नदी पश्चिम की ओर बहकर खंभात की खाड़ी में अरब सागर से मिलती है। लेकिन आज इंसानी लालच के कारण इस विराट नदी के अस्तित्व पर भी ग्रहण लग चुका है। कई पर्यावरणविदों ने चेतावनी दी है कि यदि यही हालात रहे, तो अगले 30 सालों में मां नर्मदा का प्रवाह भी इतिहास बन जाएगा। नर्मदा नदी अमरकंटक के जिस झरने से निकलती है, वहां मूल रूप से बहुत कम पानी है। जैसे-जैसे यह आगे बढ़ती है, वैसे-वैसे इसमें कई छोटी-छोटी सहायक नदियां आकर मिलती हैं, जो इसे एक विशाल और भव्य स्वरूप प्रदान करती हैं। लेकिन आज नर्मदा की यही सहेलियां और सहायक नदियां इंसानी बस्तियों के विकास, जंगलों की अंधाधुंध कटाई और अवैध रेत उत्खनन की भेंट चढ़ चुकी हैं। ओमनी, सिंगरी, पलकमती, देनवा, गंजाल, दूधी, तवा, तेंदुबी, वारना, हिरन, कानर और हथिनी जैसी सहायक नदियां या तो पूरी तरह सूख चुकी हैं या फिर अपनी अंतिम सांसें गिन रही हैं। जब सहायक नदियां ही सूखी पड़ जाएंगी, तो मुख्य धारा को जीवन कहां से मिलेगा? अमेरिका के वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टिट्यूट ने इसी भयावह स्थिति को देखते हुए नर्मदा को दुनिया की उन 6 सबसे संकटग्रस्त नदियों में शामिल किया है, जिनका भविष्य घोर अंधकार में है। मध्य प्रदेश और राजस्थान की सीमाओं को अपनी लहरों से विभाजित करने वाली प्राचीन और ऐतिहासिक चंबल नदी का दायरा भी दिन-ब-दिन सिकुड़ता जा रहा है। बड़ी मात्रा में पत्थरों के अवैध उत्खनन और ब्लास्टिंग ने नदी के प्राकृतिक तंत्र को छिन्न-भिन्न कर दिया है। चंबल की मुख्य ताकत उसकी सहायक नदियां थीं, जिनमें बनास, क्षिप्रा, काली सिंध, पार्वती, छोटी कालीसिंध, कुनो, ब्राह्मणी, परवन, अलनिया और रेतम शामिल हैं। ये सभी सहायक नदियां इंसानी अतिक्रमण के कारण दम तोड़ चुकी हैं। परिणाम यह है कि मानसून के चंद महीनों को छोड़कर बाकी के पूरे साल चंबल की जगह केवल सूखी और डरावनी पथरीली चट्टानें ही दिखाई देती हैं। यही संताप सूर्यपुत्री मानी जाने वाली ताप्ती नदी का भी है। मध्य प्रदेश की बड़ी नदियों में शुमार ताप्ती का जलस्तर लगातार घट रहा है। प्रदूषण और अनियोजित बांधों के निर्माण ने इसकी स्वाभाविक गति को रोक दिया है। इसकी भी लगभग सभी सहायक नदियां सूख चुकी हैं। सरकार इसकी सफाई और पुनरुद्धार पर करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा चुकी है, लेकिन धरातल पर भ्रष्टाचार और प्रशासनिक उदासीनता के कारण ताप्ती की धार लगातार पतली और मैली होती जा रही है।

जब हम देश के नक्शे पर मध्य प्रदेश को निहारते हैं, तो हमें पहाड़ों के सीने को चीरकर बहती कल-कल करती नदियां दिखाई देती हैं। लेकिन आज यह केवल एक सुंदर अतीत की स्मृतियां मात्र बनकर रह गई हैं। हकीकत की धरातल पर मध्य प्रदेश की जीवन रेखा मानी जाने वाली मां नर्मदा ही नहीं, बल्कि इस धरती को अपने आंचल से सींचने वाली 207 छोटी-बड़ी नदियां आज अपने ही अस्तित्व की अंतिम और सबसे कठिन लड़ाई लड़ रही हैं।

बेतवा पर मंडराता संकट

रायसेन जिले के कुमरागांव से निकलने वाली पवित्र बेतवा नदी की कहानी तो और भी त्रासद है। कभी अपने वेग और विशालता के लिए जानी जाने वाली बेतवा में आज 18 बड़े गंदे नालों का पानी सीधे मिलाया जा रहा है, जिससे यह नदी एक गंदे नाले में तब्दील होती जा रही है। करीब 18 महीने पहले इस पवित्र नदी का उद्गम स्थल पूरी तरह से सूख गया था, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था। हालांकि, जब यह गंभीर मामला मीडिया और जनमानस में गूंजा, तो प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए अतिक्रमण हटाया और पाइपलाइन की सफाई कर जलधारा को अस्थाई रूप से बहाल किया। लेकिन यह केवल एक सामयिक मरहम है, स्थाई समाधान नहीं।

महाकाल की नगरी में शिप्रा भी छोड़ रही साथ

उज्जैन की पावन धरा को पवित्र करने वाली और पौराणिक व धार्मिक महत्व रखने वाली शिप्रा नदी की स्थिति आज अत्यंत दयनीय हो चुकी है। जिस नदी के आंचल में सिंहस्थ महाकुंभ का आयोजन होता है, उसका अपना उद्गम स्थल आज बूंद-बूंद पानी को मोहताज होकर सूख चुका है। नदी के जलस्तर को कृत्रिम रूप से बनाए रखने के लिए सरकार को नर्मदा-क्षिप्रा लिंक परियोजना का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इंसानी लालच यहीं नहीं रुका; नदी के किनारों पर 200 मीटर के विधिक दायरे में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण किए जा रहे हैं। बिना किसी अनुमति के ग्रीन बेल्ट की सुरक्षित जमीनों पर कंक्रीट के जंगल खड़े किए जा रहे हैं और शहरों के जहरीले व प्रदूषित नालों को सीधे इस पवित्र नदी के सीने में उतारा जा रहा है।

कैसे लौटेगी मायके की हरियाली?

इस पूरे संकट को देखते हुए हमें एक गंभीर आत्मचिंतन और समझाइश की आवश्यकता है। हमें यह गहराई से समझना होगा कि पानी का यह संकट केवल प्रकृति की बेरुखी नहीं, बल्कि हमारे अपने कर्तव्यों की विफलता है। जब तक हम पानी को केवल सरकार की जिम्मेदारी मानकर खुद को इससे अलग रखेंगे, तब तक कोई भी शासकीय योजना हमारी प्यास नहीं बुझा सकती।

जल संचयन को बनाएं जीवन शैली: आने वाले मानसून में हमें हर घर की छत पर वर्षा जल संचयन (Rainwater Harvesting) को एक नैतिक और सामाजिक नियम बनाना होगा, ताकि आकाश से बरसने वाली एक-एक बूंद धरती के सीने में समा सके और भूजल स्तर ऊपर उठ सके।

सहायक नदियों का पुनरुद्धार: मुख्य नदी को बचाने के लिए उसकी सहायक छोटी नदियों और नालों को पुनर्जीवित करना होगा। उनके उद्गम स्थलों पर सघन वृक्षारोपण करना होगा, क्योंकि जंगलों की जड़ें ही पानी को रोककर नदियों को सदानीरा बनाती हैं।

प्रदूषण और खनन पर पूर्ण विधिक अंकुश: नदियों में सीधे गिरने वाले सीवेज और फैक्ट्रियों के गंदे पानी पर पूरी तरह रोक लगानी होगी। साथ ही, रेत और पत्थरों के अवैध उत्खनन के खिलाफ कठोर दंडात्मक विधिक कार्रवाई करनी होगी, ताकि नदियों का प्राकृतिक जलभृत सुरक्षित रह सके।

कड़वी हकीकत के सरकारी आंकड़े

इस भीषण जल संकट की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मध्य प्रदेश की करीब 207 नदियों में से 175 नदियां पूरी तरह बरसाती हो चुकी हैं। जो कभी अपने वेग से खेतों को सींचती थीं, वे अब केवल मानसून के दो-तीन महीनों में ही अपनी सांसें बहाल रख पाती हैं। सबसे ज्यादा चिंताजनक स्थिति उन 32 प्रमुख नदियों की है, जो इतिहास के पन्नों में साल भर अविरल बहने के लिए जानी जाती थीं। आज इन 32 जीवनदायिनी नदियों में से 27 नदियों का उद्गम स्थल पूरी तरह से सूख चुका है। अब केवल 5 नदियां ऐसी बची हैं, जिनके जन्मस्थान पर पानी का थोड़ा बहुत अंश शेष रह गया है।

मध्यप्रदेश पुलिस का अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ रातभर चला प्रदेशव्यापी विशेष कॉम्बिंग गश्त अभियान

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में अपराधियों, फरार वारंटियों और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा आमजन में सुरक्षा का भाव मजबूत करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में व्यापक स्तर पर समय-समय पर कॉम्बिंग गश्त अभियान लगातार जारी है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में देर रात से शुरू होकर सुबह तक चली इस विशेष कार्रवाई में प्रदेशभर के 2500 से अधिक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मुस्तैदी से मैदान में उतरे। इस राज्यव्यापी अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने विभिन्न जिलों में रिकॉर्ड 2100 से अधिक वारंट तामील/ वारंटी गिरफ्तार किए। इसके साथ ही सूचीबद्ध बदमाशों, गुंडों, हिस्ट्रीशीटरों और जिला बदर अपराधियों की धरपकड़ व चेकिंग की गई। अभियान के दौरान आबकारी एक्ट, जुआ-सट्टा, अवैध हथियार और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ भी कार्रवाही की गई।

प्रमुख कार्रवाई

ग्वालियर : पुलिस ने रातभर में 249 फरार वारंटियों (121 स्थायी और 128 गिरफ्तारी वारंट) को गिरफ्तार किया। इसके अलावा 303 गुंडों व हिस्ट्रीशीटरों की जांच कर अवैध शराब व हथियारों पर कार्रवाई की गई।

जबलपुर : अपराधियों एवं वारंटियों की धरपकड़ हेतु जबलपुर पुलिस द्वारा कॉम्बिंग गस्त के दौरान 120 स्थाई वारंट एवं 71 गिरफ्तारी वारंट सहित कुल 191 वारंट तामील किए गए।

टीकमगढ़ (मेगा कॉम्बिंग ऑपरेशन) : दो दिवसीय विशेष अभियान के तहत जिले में स्थाई 6, गिरफ्तारी 55 एवं 160 जमानती एवं 246 अन्य सहित कुल 467 वारंट तामील किए गए। साथ ही सघन वाहन चेकिंग और आबकारी एक्ट के तहत मामले दर्ज किए गए।

मुरैना : पुलिस ने 73 स्थायी वारंटी, 63 गिरफ्तारी वारंटी, ईनामी एवं फरार 14 बदमाशों सहित कुल 150 वारंटियों को गिरफ्तार किया। इसके अतिरिक्त 28 हिस्ट्रीशीटर गुंडे तथा 18 जिलाबदर अपराधियों की चेकिंग की गई। इसके अलावा थाना पहाड़गढ़ पुलिस द्वारा 08 पेटी अवैध देशी शराब कीमत लगभग 44 हजार रुपए की जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

विदिशा : पुलिस द्वारा जिलेभर में 720 ठिकानों पर दबिश देकर कॉम्बिंग ऑपरेशन संचालित किया गया। अभियान के दौरान 29 स्थायी, 102 गिरफ्तारी एवं 166 जमानती वारंट सहित कुल 297 वारंट तामील किए गए। इसके अतिरिक्त 201 बदमाशों के ठिकानों पर रेड, 158 हिस्ट्रीशीटरों की चेकिंग एवं 11 जिला बदर व्यक्तियों की जांच की गई।

उज्जैन : पुलिस द्वारा अभियान के दौरान 85 स्थाई वारंट, 110 गिरफ्तारी वारंट एवं 05 वसूली वारंट सहित कुल 200 वारंट तामील किए गए। पुलिस द्वारा 150 से अधिक निगरानी, गुंडा एवं चाकूबाज बदमाशों की घर-घर जाकर चेकिंग की गई, जबकि 50 से अधिक जिला बदर आरोपियों का सत्यापन किया गया।

वेतन और नियमितीकरण की मांग को लेकर आज हड़ताल पर आउटसोर्स स्वास्थ्यकर्मी

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के आउटसोर्स स्वास्थ्यकर्मी 25 मई को वेतन, नियमितीकरण और नौकरी सुरक्षा की मांग को लेकर सामूहिक हड़ताल करेंगे। कर्मचारी भोपाल में प्रदर्शन करेंगे। उनका आरोप है कि कई जिलों में महीनों से वेतन नहीं मिला और सरकार ने अब तक कोई ठोस नीति नहीं बनाई। मांगें नहीं मानी गईं तो अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी गई है। मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मध्य प्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने 25 मई को सामूहिक हड़ताल और भोपाल में बड़े प्रदर्शन का ऐलान किया है। हजारों कर्मचारी राजधानी की सड़कों पर उतरकर सरकार की कथित वादाखिलाफी, दमनकारी नीति और शोषण के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। संघ का दावा है कि अगर सरकार ने मांगों पर जल्द फैसला नहीं लिया तो इसके बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी, जिससे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

स्वास्थ्य व्यवस्था की जिम्मेदारी, लेकिन सुविधाएं नहीं

आउटसोर्स कर्मचारी जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, शहरी स्वास्थ्य केंद्रों और मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक समेत कई सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाएं दे रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि नियमित कर्मचारियों की संख्या लगातार कम होने के कारण स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का बड़ा भार अब आउटसोर्स कर्मियों पर आ चुका है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल रही हैं।

महीनों से वेतन नहीं, नौकरी जाने का डर

संघ के मुताबिक प्रदेश के कई जिलों में कर्मचारियों को पिछले 5 से 6 महीने से वेतन नहीं मिला है। इससे हजारों परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं।

यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा: भोपाल के 36 केंद्रों पर 12 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी पहुंचे,कड़ी जांच के बाद मिली एंट्री

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में रविवार को यूपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। 36 केंद्रों पर 12 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। सुबह 9 बजे के बाद किसी को प्रवेश नहीं दिया गया। परीक्षा केंद्रों पर कड़ी जांच और सुरक्षा व्यवस्था रही। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 रविवार को राजधानी भोपाल के 36 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। परीक्षा में 12 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा दो शिफ्ट में आयोजित हुई, जिसमें सुबह और दोपहर दोनों सत्रों में परीक्षार्थियों की भारी भीड़ केंद्रों पर देखने को मिली। शहर के विभिन्न सरकारी और निजी स्कूलों तथा कॉलेजों में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। प्रमुख केंद्रों में मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय, एमएलबी गर्ल्स कॉलेज, सरोजिनी नायडू गर्ल्स कॉलेज, कोपल कॉलेज, मित्तल इंस्टीट्यूट और केएनपी कॉलेज शामिल रहे। आयोग के निर्देशों के तहत परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले तक ही अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। सुबह 9 बजे के बाद देर से पहुंचे कई अभ्यर्थियों को केंद्रों में एंट्री नहीं मिली। परीक्षा केंद्रों के बाहर सुबह से ही अभ्यर्थियों की लंबी कतारें नजर आईं।

भोपाल में 16 वर्षीय किशोर ने फांसी लगाई: जून में बहन की शादी थी

पिता से फोन पर कहा- सॉरी, मैं शादी में शामिल नहीं हो पाऊंगा

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के गोविंदपुरा थाना क्षेत्र के अन्ना नगर, बीएचईएल इलाके में रविवार को 16 साल के किशोर ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। 18 जून को उसकी बहन की शादी होने वाली थी। आत्महत्या से पहले उसने सुबह अपने पिता और बहन से फोन पर बात की थी। मृतक की पहचान करण (16) के रूप में हुई है। पिता मौहर सिंह के मुताबिक, सुबह फोन पर करण ने कहा, ÷सॉरी, मैं शादी में शामिल नहीं हो पाऊंगा। पिता ने बताया कि कुछ देर बाद उन्होंने दोबारा करण को फोन लगाया, लेकिन उसने कॉल रिसीव नहीं किया। इसके बाद छोटे बेटे ने उन्हें घटना की जानकारी दी। घर पहुंचने पर परिजनों ने देखा कि करण कमरे में फंदे से लटका हुआ था। मृतक के पिता के मुताबिक भोपाल में उनके दो घर है, उस वक्त परिवार के सभी लोग अशोका गार्डन स्थित दूसरे घर में थे।

बांधवगढ़ में बाघ का हमला, महिला की मौत सीएम ने मृतका के परिवार को 25 लाख की सहायता देने की घोषणा

भोपाल/नवप्रदेश। उमरिया जिले के बांधवगढ़ नेशनल पार्क क्षेत्र में बाघ के हमले से एक महिला की मौत हो गई, जबकि कुछ लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतका के परिजनों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने और घायलों के मुफ्त इलाज के निर्देश दिए हैं। वन विभाग ने इलाके में निगरानी बढ़ा दी है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मध्यप्रदेश के उमरिया जिले स्थित बांधवगढ़ नेशनल पार्क क्षेत्र में बाघ के हमले से एक महिला की मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य लोग घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतका के परिजनों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

प्रदेश व्यापी ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना 2026-27 हुई ऑनलाइन

गिद्ध गणना में लगभग 10 हजार 742 गिद्ध पाये गये

भोपाल/नवप्रदेश। प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना-2026-27 के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन गणना 22 मई से 24 मई 2026 तक सूर्योदय से प्रातः 9 बजे तक प्रदेश के सभी 16 वृत्त, 9 टाईगर रिजर्व, वन विकास निगम के क्षेत्रों एवं अन्य संरक्षित क्षेत्रों में गिद्ध गणना का कार्य वन विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों के अतिरिक्त स्वयंसेवकों के सहयोग से गिद्ध गणना ऑनलाइन ऐप के माध्यम से किया गया है, जिससे आंकड़ों का संकलन शीघ्र हो पाया है। मध्यप्रदेश में प्रदेशव्यापी गिद्ध गणना की शुरूआत वर्ष 2016 से की गई थी, जिसमें 7,028 गिद्धों का आंकलन किया गया था। विगत वर्ष 2025 में शीतकालीन एवं ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना की गई थी। इस वर्ष 2026 में भी शीतकालीन गणना की गई है। इस वर्ष ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना ऐप के माध्यम से ऑनलाइन की गई। गणना का कार्य विभिन्न वनमंडलों एवं टाईगर रिजर्व/राष्ट्रीय उद्यानों में सभी स्थानों पर कार्य किया गया। गिद्ध गणना में लगभग 10 हजार 742 गिद्ध पाये गये, जिसमें 9394 वयस्क एवं 1348 किशोर गिद्ध पाये गये। इस वर्ष 10 हजार 742 गिद्ध की संख्या पिछले वर्ष की गिद्ध संख्या 9509 से लगभग 1200 संख्या में ज्यादा है, जो कि बेहतर संरक्षण को इंगित करती है। गिद्धों की गणना के लिये ऑनलाइन ऐप तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से गिद्धों की गणना की गई। ऐप के माध्यम से गणना किये जाने पर आंकड़ों के संकलन एवं रिपोर्ट तुरंत लाइव प्राप्त होने से कार्य क्षमता में वृद्धि हुई है। ऐप के माध्यम से गणना किये जाने के लिये मास्टर ट्रेनर्स, अशासकीय संस्थाओं एवं अधिकारियों/कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया था। गिद्धों की गणना के लिये गणनाकर्मी एवं स्वयंसेवक आदि सुबह सूर्योदय के तत्काल बाद प्रथम चरण में चयनित गिद्धों के घोंसलों के समीप पहुंच जाते थे। उन्होंने घोंसलों के आसपास बैठे गिद्धों एवं उनके नवजातों की गणना कर ऐप में उसकी जानकारी दर्ज की। गणना में केवल आवास/विश्राम स्थलों पर बैठे हुए गिद्धों को ही गणना में लिया गया। उड़ते हुए गिद्धों को गणना में नहीं लिया गया। इस वर्ष वन विभाग के कर्मचारियों के साथ पूरे प्रदेश के विभिन्न स्थानों में पक्षी विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, छात्र एवं स्थानीय नागरिकों ने इस गणना में भाग लिया। कंट्रोल रूम वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में बनाया जाकर गणना के बाद डाटा संकलन का कार्य किया जा रहा है।

दो सत्य का मिलन है दोस्ती, जहां झूठ हो वहां मित्रता नहीं टिकती

सुदामा चरित्र व श्रीकृष्ण लीलाओं का हुआ मार्मिक वर्णन, विवाहित बेटियों का हुआ विशेष सम्मान

भागवत कथा विश्राम: संत ने दिलाई परिवार के साथ भोजन करने और पॉलिथीन का उपयोग घटाने की शपथ

उज्जैन/नवप्रदेश। पूज्य सिंधी भाईबंध पंचायत के तत्वावधान में अब्दालपुर स्थित संत लीला शाह कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल प्रांगण में चल रही भागवत कथा का समापन हुआ। पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में आयोजित इस कथा के अंतिम दिन शिव धारा आश्रम अमरावती के डॉ. संतोष देव जी महाराज ने श्रद्धालुओं को सामूहिक कर्तव्य का बोध कराते हुए पूरा परिवार एक साथ बैठकर भोजन करने और पॉलिथीन का न्यूनतम उपयोग करने की शपथ दिलाई। अंत में महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

कृष्ण-सुदामा मिलन और भक्त नरसी मेहता के प्रसंगों ने किया भावुक

समिति और पंचायत अध्यक्ष दौलत खेमचंदानी ने बताया कि कथा में महाराज जी ने भगवान श्रीकृष्ण के 16108 विवाह के प्रसंग को स्पष्ट किया, जिसमें 16100 कन्याओं को कैद से मुक्त कराकर उन्हें सम्मान देना शामिल था। कथा में भक्त नरसिंह मेहता के विश्वास की सार्थकता, कृष्ण-सुदामा के मार्मिक मिलन और %दोस्त% यानी %दो सत का मिलन% की परिभाषा का

सुंदर चित्रण किया गया। संत श्री ने कौरव-पांडव की द्यूत क्रीड़ा का उदाहरण देते हुए जुए जैसी बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि पृथ्वी लोक से बैकुंठ गमन करते समय भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी सभी शक्तियां श्रीमद्भागवत पुराण में समाहित कर दी थीं।

शहर से बाहर ब्याही बेटियों का हुआ विशेष सम्मान

पूज्य पंचायत की एक अनूठी पहल के तहत भागवत कथा में शहर से बाहर निवास करने वाली विवाहित बेटियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। इन सभी बेटियों का सम्मान संत श्री के हाथों संपन्न हुआ। इसके साथ ही पंचायत द्वारा कलश यात्रा में भाग लेने वाली श्रेष्ठ महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। कथा के दौरान संत श्री का स्वागत समाजसेवी महेश परयानी, गोपाल बलवानी, नरेश धनवानी, ताराचंद वासवानी, ईश्वर पटेल, चरण सिंह गिल, अभिषेक लाला, स्मिता पाठक, पूनम पवार, हंसा शर्मा और डिंपल चौरसिया ने किया। साथ ही सिख समाज, स्कूल स्टाफ, साईं पुरसनाराम भक्त मंडल, सिंधी कॉलोनी पंचायत, भारतीय सिंधु सभा, सिंधु जागृत समाज, भानुशाली पंचायत, सख्खर पंचायत, ब्रह्मा खत्री समाज, इंदिरा नगर पंचायत, माधव नगर पंचायत और हरे माधव मंडल ने भी स्वागत सत्कार किया। अतिथियों का स्वागत संरक्षक मुरलीधर कोटवानी, घनश्याम पेशवानी, लीला रामचंदनानी, कमल मोटवानी, उषा सेवारामानी और मुकेश सेवारामानी ने किया।

व्यवस्थापकों और उत्कृष्ट कार्य करने वालों का हुआ सम्मान

नृत्य व कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए बिंदिया बलवानी, प्रेम पुरुसवानी, गोपी पुरुसवानी, जया थानी और निशा रामचांदनी को पुरस्कृत किया गया। भोजन प्रसादी की व्यवस्था रमेश बलवानी, ताराचंद वासवानी, महेश कोटवानी और महेश बलवानी ने संभाली। पूरी भागवत कथा में अहम भूमिका निभाने पर जेठानंद बलानी, जितेंद्र फुलवानी, प्रेम परसवानी, संतोष रामानी और महेश सेवारमानी का सम्मान किया गया। आयोजन का सफल संयोजन घनश्याम दासवानी, सुरेश पुरुस्वानी, नरेश मूलचंदानी, भारती खेमचंदानी और राजकुमारी खेमचंदानी ने किया। कार्यक्रम के अंत में सचिव वीर कुमार मामनानी और नीतू बलवानी ने सभी का आभार माना।

न्यूज गैलरी

कालभैरव मंदिर में शीघ्र दर्शन व्यवस्था से 5 दिन में 25 लाख की आय, वीकेंड पर आम श्रद्धालुओं के लिए सेवा बंद

उज्जैन/नवप्रदेश। भगवान कालभैरव मंदिर में 20 मई से शुरू की गई 500 रुपए की शीघ्र दर्शन व्यवस्था से मंदिर समिति को महज पांच दिनों में लगभग 25 लाख रुपए की आय प्राप्त हुई है। हालांकि, सप्ताहांत में बढ़ती भीड़ और गर्भगृह में दबाव को देखते हुए अब शनिवार और रविवार को आम श्रद्धालुओं के लिए इस सुविधा को अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया गया है। वीकेंड पर यह सुविधा केवल प्रोटोकॉल दर्शनार्थियों के लिए उपलब्ध रहेगी। जानकारी के अनुसार, शनिवार और रविवार को मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ने से कई बार शीघ्र दर्शन की लाइन को रोकना पड़ा। मंदिर व्यवस्थापक महेश देपन के अनुसार शनिवार को 1876 श्रद्धालुओं ने 500 रुपए की रसीद लेकर दर्शन किए, जिससे एक ही दिन में मंदिर समिति को 9 लाख 38 हजार रुपए की आय हुई। रविवार को भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और आय में वृद्धि दर्ज की गई। मंदिर प्रशासन के अनुसार कालभैरव मंदिर का गर्भगृह अपेक्षाकृत छोटा होने के कारण दर्शन व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। एक प्रवेश द्वार से सामान्य श्रद्धालु बाहर से दर्शन करते हैं, जबकि दूसरे मार्ग से शीघ्र दर्शन वाले श्रद्धालु गर्भगृह में प्रवेश कर दर्शन कर वापस लौटते हैं। इससे भीड़ का दबाव बढ़ने लगा था। मंदिर व्यवस्थापक महेश देपन और मंदिर प्रशासक संध्या मार्कण्डय द्वारा लागू की गई व्यवस्था से आय में हुई वृद्धि पर प्रशासन ने संतोष जताया है। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा और बेहतर प्रबंधन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर भी विचार शुरू किया गया है। नई प्रस्तावित व्यवस्था के तहत श्रद्धालुओं को गर्भगृह में प्रवेश दिए बिना बाहर से ही बिना कतार के दर्शन कराने की योजना तैयार की जा रही है। इसके लिए 250 रुपए शुल्क निर्धारित किए जाने पर विचार किया जा रहा है। प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद इस नई व्यवस्था को लागू किया जा सकता है।

सिंहस्थ-2028: जीवनखेड़ी-सिकंदरी फोरलेन और ब्रिज निर्माण कार्यों का निरीक्षण, सौंदर्यीकरण पर जोर

उज्जैन/नवप्रदेश। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत नियमित निरीक्षण श्रृंखला के अंतर्गत रविवार सुबह संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह तथा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सिंहस्थ-2028 के अंतर्गत निर्माणाधीन जीवनखेड़ी से सिकंदरी फोरलेन मार्ग का अवलोकन किया और निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने मार्ग को आकर्षक एवं व्यवस्थित स्वरूप देने के उद्देश्य से सड़क के दोनों ओर पौधारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मार्ग के सौंदर्यीकरण के साथ-साथ यातायात सुविधा और पैदल यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सर्विस रोड के साथ फुटपाथ का निर्माण भी किया जाए। इसके बाद अधिकारियों ने देवास रोड स्थित दताना-मताना मार्ग पर निर्माणाधीन ब्रिज कार्य का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के अंतर्गत प्रशासन द्वारा अधोसंरचना विकास कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

आम श्रद्धालु बनकर कतार में पहुंचे कलेक्टर-प्रशासक, महाकाल मंदिर की दर्शन व्यवस्था का किया निरीक्षण

उज्जैन/नवप्रदेश। कलेक्टर एवं अध्यक्ष श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति रोशन कुमार सिंह तथा मंदिर प्रशासक एवं अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक ने रविवार को आम श्रद्धालुओं की तरह कतार में शामिल होकर श्री महाकालेश्वर मंदिर की दर्शन व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर, सुगम और व्यवस्थित सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारी हरसिद्धि चौराहे से सामान्य श्रद्धालुओं की तरह प्रवेश करते हुए जूता काउंटर पर जूते उतारकर कतार में शामिल हुए। इसके बाद बड़ा गणेश मंदिर मार्ग से मानसरोवर क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। आगे फैसिलिटी टनल से होते हुए गणेश मंडपम में दर्शन

किए गए तथा पालकी हॉल मार्ग से बाहर निकलकर निरीक्षण पूर्ण किया गया। निरीक्षण के दौरान दर्शन मार्ग पर स्थापित जूता स्टैंड, पेयजल व्यवस्था, मैटिंग, श्रद्धालुओं के लिए छायादार शेड, साफ-सफाई, शीघ्र दर्शन काउंटर और लड्डू प्रसाद काउंटर सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को व्यवस्थाओं के बेहतर संचालन और नियमित रखरखाव के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान कलेक्टर एवं प्रशासक ने श्रद्धालुओं से सीधे संवाद कर व्यवस्थाओं को लेकर उनके अनुभव भी जाने। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं को संतोषजनक एवं सराहनीय बताया। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और प्रशासक प्रथम कौशिक ने सभी सेक्टर प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में स्वच्छता और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण का उद्देश्य श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सहज और बेहतर दर्शन सुविधा उपलब्ध कराना तथा व्यवस्थाओं का वास्तविक स्थिति के आधार पर मूल्यांकन करना था।

आचार्य नरेंद्र वैष्णव बने निर्माणाधीन आरोग्य हनुमान मंदिर के महंत

उज्जैन/नवप्रदेश। शहर के सदावल मार्ग के समीप निर्माणाधीन आरोग्य हनुमान मंदिर के महंत की उपाधि आचार्य नरेंद्र वैष्णव को प्रदान की गई है। आचार्य वैष्णव अंकपात मार्ग अवंतिपुरा स्थित श्री चारभुजा मंदिर के पुजारी हैं और खाकी अखाड़ा परिवार के महंत व अखाड़ा परिषद के उपाध्यक्ष हरिहर रसिक के कृपापात्र शिष्य हैं। यह गरिमामय समारोह रामा दल अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत डॉ. रामेश्वर दास के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रामानंदी संत आश्रम के मणि शरण दास, भगवान दास, रूप किशोर रसिक, निर्वाणी अखाड़े के महंत दिग्विजय दास, निर्मोही अखाड़े के महंत चरण दास, नरसिंह दास, श्री त्रिवेणी शनि मंदिर के महंत राकेश दास और राजेंद्र दास सहित कई प्रमुख संत-महंत उपस्थित थे। नवनियुक्त महंत वैष्णव को राष्ट्रीय वैष्णव बैरागी महिला अध्यक्ष सावित्री महंत, श्री वैष्णव बैरागी समाज अध्यक्ष ओम दास बैरागी, गिरधारी मार साहब, वैष्णव बैरागी परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामेश्वर दास, विनोद दादा, मदन मोहन अग्रावत, अनिल बैरागी, मनोज बैरागी, महेश बैरागी, दिनेश बैरागी, सचिन बैरागी, रवि बैरागी, सतीश रामावत, प्रदीप रामावत, सुभाष बैरागी, भावेश बैरागी, दिनेश ठाकुर, बाबू कुमावत और गौड़ समाज के अध्यक्ष दिलीप गौड़ सहित सभी क्षेत्रीय रहवासियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं।

सर्व कोरी-कोली समाज उत्थान केंद्र का भव्य लोकार्पण, तथागत बुद्ध की मूर्ति स्थापित

हामूखेड़ी में उल्लास के साथ मनाई गई संत कबीर जयंती, भिक्षु डॉ. सुमेध थेरो ने कराया त्रिशरण और पंचशील का पाठ

उज्जैन/नवप्रदेश। देवास रोड स्थित हामूखेड़ी के सनराइज सिटी में रविवार को सर्व कोरी-कोली समाज उत्थान संघ के नवनिर्मित भवन (उत्थान केंद्र) का भव्य लोकार्पण और धम्म शाला का उद्घाटन किया गया। इस ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अवसर पर समाजजनों द्वारा तथागत गौतम बुद्ध की मूर्ति की स्थापना की गई, साथ ही महान समाज सुधारक संत कबीरदास जी की जयंती पूरे श्रद्धाभाव और उत्साह के साथ मनाई गई।

गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ उद्घाटन

आयोजन के आमंत्रण पत्र के अनुसार, इस उद्घाटन समारोह में गुजरात के कैबिनेट मंत्री (जल संसाधन एवं ग्रामीण विकास) कुंवर जी भाई बाबलिया बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र के सांसद अनिल फिरोजिया ने की, जबकि भाजपा जिला कार्यकारिणी के

कोषाध्यक्ष प्रकाश यादव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उज्जैन बुद्धिस्ट सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित धम्म कार्यक्रम में भिक्षु डॉ. सुमेध थेरो (संरक्षक) ने उपस्थित जनों को त्रिशरण और पंचशील का पाठ कराते हुए धम्म देशना दी। इस अवसर पर इंजीनियर सावित्री कटारिया द्वारा भगवान बुद्ध की मूर्ति दान की गई, जिसे विधि-विधान से स्थापित किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में धम्म आचार्य आनंद बौद्ध और बनेसिंह बौद्ध ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संत कबीरदास जी के प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष भजन संध्या का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में मुकेश दीवान और उनकी मंडली ने सुमधुर कबीर भजनों की प्रस्तुति दी, जिसने वहां मौजूद सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

संघ के अध्यक्ष राजेश कुमार शाक्य और सचिव प्रकाश पंथी के नेतृत्व में संपन्न हुए इस आयोजन में पूर्व कुलपति डॉ. बी.एस. बुनकर, उज्जैन बुद्धिस्ट सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. हरि बाबू कटारिया, गणेश वर्मा, शिव प्रकाश पंथी, टीवी शाक्यवार, ओम प्रकाश खंडोरिया, श्रीमती विनोद गया, चंदा वर्मा, कन्हैया लाल और वंदना शोले सहित बड़ी संख्या में समाजजन और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल व प्रभावी संचालन डॉ. हरि बाबू कटारिया ने किया, जबकि अंत में सावित्री कटारिया ने सभी अतिथियों और समाजजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नागदा में स्वच्छता अभियान तेज: बड़े कचरा पॉइंट बंद, बारिश पूर्व तैयारियों पर फोकस

नागदा/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद नागदा द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक स्तर पर सफाई अभियान लगातार चलाया जा रहा है। विभिन्न वार्डों में विशेष अभियान के तहत सफाई कार्य किए जा रहे हैं, ताकि नागदा को स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी बनाया जा सके। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संतोष ओ.पी. गेहलोत के निर्देशानुसार शहर के कई बड़े कचरा पॉइंट बंद करने की पहल की गई है। इसके तहत वर्धमान स्कूल के पीछे, राजा जन्मेजय

अपार्टमेंट के पीछे, आगोशदीप स्कूल के सामने, न्यू दिल्ली ब्रिज के नीचे, पुरानी नगर पालिका के पीछे, इमामबाड़ा के पास और ममता ऑटो पार्ट्स के पीछे स्थित कचरा पॉइंट बंद कर दिए गए हैं। वहीं रतलाम फाटक और कम्युनिटी हॉल के समीप स्थित कचरा पॉइंट भी जल्द बंद किए जाने की तैयारी की जा रही है। बरसात पूर्व तैयारियों के तहत नगर में नालियों और नालों के निर्माण एवं सफाई कार्यों को भी गति दी गई है। जिन क्षेत्रों में जल निकासी की समस्या थी, वहां क्रॉस और निकासी मार्ग विकसित कर उचित व्यवस्था की गई है, जिससे बारिश के दौरान जलभराव की समस्या कम हो सके। नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा वार्ड स्तर पर सड़क, नालियों और कचरा स्थलों की नियमित सफाई की जा रही है। कचरा संग्रहण वाहन प्रतिदिन वार्डों में पहुंच रहे हैं और नागरिकों से घर का कचरा सीधे कचरा गाड़ी में डालने की अपील की जा रही है। साथ ही दुकानदारों को पॉलीथिन का उपयोग बंद करने की समझाइश दी जा रही है तथा गंदगी फैलाने वालों पर चालानी कार्रवाई भी की जा रही है। सफाई अभियान के साथ दवाई छिड़काव और फॉगिंग मशीनों के माध्यम से मच्छरों की रोकथाम के लिए भी विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। बड़े क्षेत्रों में सफाई के लिए पोकलेन और जेसीबी मशीनों की भी व्यवस्था की गई है।

गंगा दशहरा पर जिलेभर में जल संरक्षण महाअभियान, हर वार्ड और ग्राम पंचायत में होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

उज्जैन/नवप्रदेश। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गंगा दशहरा (25 मई) के अवसर पर जिले के प्रत्येक नगरीय वार्ड एवं ग्राम पंचायत में भव्य और अनिवार्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारियों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। कलेक्टर सिंह ने कहा कि कार्यक्रमों की सफलता के लिए जनसहभागिता को प्राथमिकता दी जाए। गंगा दशहरा जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रमों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। अभियान के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों, महिला स्व-सहायता समूहों, व्यापारिक एवं धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से सामूहिक श्रमदान किया जाएगा। इसके तहत कुओं, बावड़ियों, तालाबों, नहरों और पुरानी जल संरचनाओं की सफाई एवं जीर्णोद्धार, घाटों की साफ-सफाई तथा बंद पड़े बोरवेल और ट्यूबवेल पर रिचार्ज पिट निर्माण जैसे कार्य किए जाएंगे। इसके साथ ही विभिन्न सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। प्रत्येक स्थल पर गंगा पूजन, कलश यात्रा, जल संरक्षण शपथ एवं गंगा दशहरा आधारित सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सांसद, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को विशेष रूप से आमंत्रित कर जल संरक्षण कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही प्रत्येक स्थान पर कम से कम 4 से 5 ऐसे उत्कृष्ट कार्य चिन्हित किए जाएं, जो राष्ट्रीय स्तर पर उदाहरण बन सकें। वीसी कक्ष में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा तथा सीईओ जनपद पंचायत उज्जैन संदीप यादव भी उपस्थित रहे।

नरेंद्र मोदी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद दग्दी का भाजपा नेताओं ने किया स्वागत-सम्मान

उज्जैन/नवप्रदेश। नरेंद्र मोदी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद दग्दी के उज्जैन आगमन पर भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्याय अशोक मंडलोई ,कार्यालय प्रमुख विजय अमित और पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन किया तथा

संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा की। स्वागत कार्यक्रम में भाजपा नेता माणकलाल जादम, चांद नारायण टेटवाल, बालमुकुंद मीणा, शिवनारायण मीणा, आकाश साहू और आशीष साहू सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान संगठन को मजबूत करने और आगामी गतिविधियों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

शिप्रा परिक्रमा पथ नहीं बना तो सरकार को भुगतने होंगे परिणाम: आचार्य सत्यम

उज्जैन/नवप्रदेश। मालव रक्षा अनुष्ठान के संयोजक एवं अधिवक्ता आचार्य सत्यम सत्यनारायण पुरोहित ने केंद्र और राज्य सरकार पर पौराणिक नदी शिप्रा सहित देश की नदियों के संरक्षण में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यदि नर्मदा की तर्ज पर शिप्रा का परिक्रमा पथ नहीं बनाया गया, तो जनता इसका जवाब देगी। इसी मांग को लेकर वे गंगा दशहरा (26 मई) को प्रातः 10 बजे से नृसिंह घाट पर आमरण अनशन शुरू करेंगे। आचार्य सत्यम ने जारी बयान में कहा कि पिछले 14 वर्षों से गाय, गंगा, गौरी और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मुद्दों की लगातार उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी सरकारों को इस संबंध में चेताया गया था और अब भी समय रहते कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित आमरण अनशन और सत्याग्रह की सूचना राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, स्थानीय प्रशासन और विपक्ष के नेताओं को भेजी जा चुकी है। आचार्य सत्यम ने कहा कि वर्ष 2012 में शिप्रा सेवा अनुष्ठान को जानकारी दी गई थी कि सिंहस्थ 2016 से पहले शिप्रा नदी को प्रदूषणमुक्त किया जाएगा। राष्ट्रीय नदी बचाओ योजना के तहत नदी के दोनों किनारों पर उद्यानीकरण और आदर्श गौशालाओं के माध्यम से गोसंवर्धन जैसी योजनाओं का आश्वासन भी दिया गया था, लेकिन आज तक इन पर पूरी तरह अमल नहीं हो सका। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारों ने इस दिशा में करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन योजनाओं का अपेक्षित लाभ धरातल पर दिखाई नहीं दिया। मार्च 2012 में आयोजित शिप्रा रक्षा एवं श्रृंगार सम्मेलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संतों और पर्यावरण प्रेमियों द्वारा नदी संरक्षण के लिए कई सुझाव दिए गए थे, जिनमें नदी किनारे श्रृंगार केंद्र, उद्यानीकरण, नर्सरी स्थापना और जलग्रहण क्षेत्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने जैसे प्रस्ताव शामिल थे। आचार्य सत्यम ने आरोप लगाया कि इन योजनाओं पर प्रभावी कार्य करने के बजाय नदी के स्वरूप को प्रभावित करने वाले निर्माण कार्य किए गए, जिससे शिप्रा के मूल स्वरूप और अस्तित्व पर संकट गहराने की स्थिति बनी है।

सुविचार

जो लोग खरगोश की तरह सरपट दौड़ते रहते हैं उन्हें पता ही नहीं चलता कि जिंदगी कैसे कछुआ चाल से निकल जाती है।

सरकार पहुंच रही जनता के द्वार

हर साल की तरह ही इस बार भी छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार सुशासन तिहार मना रही है। इसके तहत गांव से लेकर शहरों में वार्ड स्तर तक जन समस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। सरकार को जनता के द्वार तक पहुचाने की इस अभिनव पहल को लोग मुक्तकंठ से सराह रहे हैं। गौरतलब है कि अविभाजित मध्यप्रदेश में जब छत्तीसगढ़ ही मध्यप्रदेश का हिस्सा हुआ करता था तब पहली बार जनता से सीधा संवाद स्थापित करने और जनसमस्याओं का जायजा लेकर उसका समाधान करने के उद्देश्य से आप की सरकार आपके द्वार नाम से यह पहल हुई थी। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद भी यह परंपरा जारी रही और विभिन्न नामों से सरकार को जनता के द्वार तक पहुंचाने का यह सालाना कार्यक्रम होता रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने इसे सुशासन तिहार का नाम दिया है। पिछले साल भी सुशासन तिहार के दौरान पूरे प्रदेश में जन बड़े पैमाने पर जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया गया था और उनमें प्राप्त होने वाली शिकायतों में से अधिकांश का मौके पर ही समाधान किया गया था। विभिन्न विकास कार्यों से संबंधित मांगों पर शासन स्तर पर विचार करने के बाद उनमें से भी अधिकांश मांगे पूरी की गई थी। हालांकि कई आवेदनों का विभिन्न कारणों के चलते निराकरण नहीं हो पाया था किन्तु इस बार सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में ज्यादा से ज्यादा समस्याओं का तत्काल समाधान करने पर जोर दिया जा रहा है। खुद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी इस भीषण गर्मी में अचानक ही किसी भी शिविर में पहुंच रहे हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के मंत्री और विधायकों के साथ ही अन्य जनप्रतिनिधि भी सुशासन तिहार में अपनी सहभागिता दर्ज करा रहे हैं। सभी विभागों के आला अफसर भी ऐसे जनसमस्या निवारण शिविरों का आकास्मिक निरीक्षण कर रहे हैं जिससे जनता की समस्याओं का समाधान हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि पूरा शासकीय अमला सुशासन तिहार को गंभीरता से लें। इस काम में लापरवाही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री की इस चेतावनी का ही यह सुपरिणाम है कि जन समस्या निवारण शिविरों में संबंधित अधिकारी और कर्मचारी आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुन रहे हैं और उनका मौके पर ही समाधान करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। मूल निवासी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और राशन कार्ड शिविर में ही बनाकर तत्काल हितग्राहियों को दिये जा रहे हैं। जबकि इनके लिए लोगों को ब्लाक और तहसील मुख्यालयों के कई चक्कर काटने पड़ते थे अब शिविर में ही उन्हें यह पत्र सुगमता से सुलभ हो रहा है जिससे उनमें हर्ष व्याप्त है। निराश्रित पेंशन और मनरेगा से जुड़ी समस्याओं से तत्काल समाधान किया जा रहा है इस तरह सुशासन तिहार आम जनता के लिए वरदान बन गया है। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में तो सुशासन तिहार को लेकर भारी उत्साह परिलक्षित हो रहा है। जिन गांवों में मुख्यमंत्री विष्णु देव पहुंच जाते हैं तो उस गांव का तो मानों उध्धार हो जाता है। पेड़ की छांव के नीचे जब मुख्यमंत्री चौपाल लगाते हैं तो हजारों की संख्या ग्रामीण वहां उमड़ पड़ते हैं और मुख्यमंत्री पूरी गंभीरता से उनकी फरियाद सुनते हैं तथा समस्याओं का निराकरण करने के साथ ही उन गांवों को लाखों करोड़ो रूपये के विकास कार्यों की सौगात भी देते हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का कहना है कि सुशासन तिहार के दौरान सरकार यह जानने के लिए गांव कसबों तक पहुंच रही है। की आम जनता को बिजली, पानी, सड़क और स्वास्थ सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं समय पर मिल रही हैं या नहीं इसके अलावा राज्य और केन्द्र सरकार ने जो जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की है उसका समुचित लाभ भी समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति को मिल रहा है या नहीं यह जानने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सुशासन तिहार के दौरान ही यह भी घोषणा की है कि शीघ्र ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन सेवा शुरू की जाएगी जिसमें लोग ऑनलाइन और टोल फ्री नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। निश्चित रूप से यह भी एक बड़ी सौगात होगी और इसका लाभ पूरे साल भर लोगों को मिलेगा।

सद्गुरू बोधामृतम्

सदगुरू ऋतेश्वर

वस्तु कोई भी जो आप खरीदते हैं वो आपको सुख दे सकता है किन्तु आपकी समझ आपको आनंद दे सकती हैं। आपकी खुशी के लिए प्रयत्न आपको ही करना होगा। आपकी खुशी आपके हाथ में है। आप जब-जब आशा लगाओगे किसी और से तो आप दुखी ही होंगे। आपका सुख आपके हाथ में है। कैसे सुखी होना है? आप देखो ! भगवान का पहचान समझ लो और कठोर तो ऐसे चट्टान भी नरम लगे। मक्खन से भी अति कोमल प्रकृति के बहाव में, धारा में बहते जाना है। न कोई विरोध है, न कोई स्वीकार है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1995 - अमेरिकी वैज्ञानिकों को पहली बार जीवित जीव के डी.एन.ए. को डीकोड करने में सफलता मिली। 1998 - परमाणु परीक्षणों के कारण भारत पर प्रतिबंध न लगाने के लिए यूरोपीय संघ के सभी 15 सदस्य देश सहमत। 2003 - चिली ने पहली बार विश्व कप टेनिस ख़िताब जीता। 2006 - नासा ने जीओईएसएन नामक मौसम उपग्रह अंतरिक्ष में रवाना किया। संयुक्त राज्य अमेरिका ने पोत आधारित इंटरसेप्टर मिसाइल का सफल परीक्षण किया। 2007 - श्रीलंका की सरकार ने तमिल शरणार्थियों की नागरिकता पर सैद्धांतिक अनुमति दी। 2008 - कर्नाटक विधान सभा के 224 सीटों में से 110 सीट जीत कर भाजपा दक्षिण के लिए किसी राज्य में पहली बार सरकार बनाने में सफल रही। संयुक्त राष्ट्र महासचिव बान की मून ने चीन के भूकम्प प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के बारह देशों ने यूरोपीय यूनियन की तर्ज पर एक नए संगठन का गठन किया। हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने विवादित पुलाऊ बाटू द्वीप सिंगापुर को हस्तांतरित किया।

गंगा दशहरा : श्रद्धा, शुद्धि और सनातन परंपरा

गंगा दशहरा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इसी दिन माँ गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। भारत में गंगा केवल एक नदी नहीं बल्कि जीवन, आस्था, मोक्ष और संस्कृति की धारा मानी जाती है। करोड़ों लोगों की श्रद्धा गंगा से जुड़ी हुई है।

महेन्द्र तिवारी

भारतीय सभ्यता का विकास गंगा के तटों पर हुआ और आज भी गंगा भारतीय जनजीवन की आत्मा मानी जाती है। गंगा दशहरा का पर्व मनुष्य को केवल धार्मिक आस्था से नहीं जोड़ता बल्कि प्रकृति, जल और संस्कृति के महत्व का भी स्मरण कराता है।

अयोध्या के राजा सगर सूर्यवंश (इक्ष्वाकु वंश) के एक अत्यंत प्रतापी और शक्तिशाली चक्रवर्ती सम्राट थे। वे भगवान श्रीराम के पूर्वज थे। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार अयोध्या के राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ कराया था। उस यज्ञ का घोड़ा इंद्र के भय के कारण कपिल मुनि के आश्रम में पहुंच गया। राजा सगर के 60000 पुत्र घोड़े की खोज करते हुए वहाँ पहुंचे और उन्होंने कपिल मुनि पर चोरी का आरोप लगा दिया। उनके अपमान से क्रोधित होकर कपिल मुनि ने अपने तपोबल से सभी पुत्रों को भस्म कर दिया। उन आत्माओं की मुक्ति तभी संभव थी जब स्वर्ग से गंगा पृथ्वी पर आकर उनके अस्थि अवशेषों को स्पर्श करती। कई पीढ़ियों तक प्रयास चलता रहा, अंततः राजा भगीरथ ने कठोर तपस्या करके ब्रह्मा जी को प्रसन्न किया। ब्रह्मा जी ने गंगा को पृथ्वी पर जाने की अनुमति दी लेकिन गंगा का वेग इतना प्रचंड था कि पृथ्वी उसे सहन नहीं कर सकती थी। तब भगवान शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को धारण किया और धीरे-धीरे पृथ्वी पर प्रवाहित किया। इसी घटना की स्मृति में गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है।

गंगा दशहरा का धार्मिक महत्व अत्यंत व्यापक है। यह माना जाता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से मनुष्य के 10 प्रकार के पापों का नाश होता है। दशमी तिथि होने के कारण इसे दशहरा कहा जाता है। धर्मग्रंथों में बताया गया है कि मनुष्य के 10 प्रकार के पाप होते हैं जिनमें 3 शरीर से, 4 वाणी से और 3 मन से किए जाते हैं। गंगा स्नान और पूजा से इन पापों से मुक्ति मिलती है। यही कारण है कि इस दिन लाखों श्रद्धालु हरिद्वार, वाराणसी, प्रयागराज, ऋषिकेश और गंगासागर जैसे तीर्थ स्थलों पर एकत्र होते हैं।

गंगा भारतीय समाज में केवल धार्मिक प्रतीक नहीं है बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन की आधारशिला भी है। गंगा नदी लगभग 2525 किलोमीटर लंबी है और उत्तराखंड के गोमुख से निकलकर बंगाल की खाड़ी में मिलती है। इसका विशाल क्षेत्र भारत और बांग्लादेश के करोड़ों लोगों को जल प्रदान करता है। खेती, पेयजल, व्यापार और आजीविका का बड़ा हिस्सा गंगा पर निर्भर है। उत्तर भारत की उपजाऊ भूमि गंगा की देन मानी जाती है। गंगा के किनारे बसे नगरों ने भारतीय संस्कृति, साहित्य, संगीत और अध्यात्म को समृद्ध किया है।

गंगा दशहरा के अवसर पर विशेष पूजा और अनुष्ठान किए जाते हैं। लोग प्रातःकाल गंगा स्नान करते हैं और सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इसके बाद माँ गंगा की आरती, दीपदान और मंत्रोच्चार किया जाता है। श्रद्धालु फूल, दूध, अक्षत और प्रसाद अर्पित करते हैं। कई स्थानों पर भंडारे और दान पुण्य का आयोजन होता है। जल से भरे कलश, पंखे, वस्त्र, फल और अन्न का दान विशेष फलदायी माना जाता है। इस दिन गंगा स्तोत्र और गंगा चालीसा का पाठ भी किया जाता है।

भारतीय साहित्य और लोकजीवन में गंगा का विशेष स्थान है। कवियों और संतों ने गंगा को मोक्षदायिनी, पापहारिणी और जीवनदायिनी कहा है। तुलसीदास, कबीर, सूरदास और अन्य अनेक कवियों की रचनाओं में गंगा का उल्लेख मिलता है। लोकगीतों में गंगा माँ की महिमा का वर्णन आज भी सुनाई देता है। विवाह, जन्म, मृत्यु और अन्य संस्कारों में गंगाजल का प्रयोग शुभ माना जाता है। यह विश्वास भारतीय जनमानस में गहराई से जुड़ा हुआ है कि गंगाजल पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है।

गंगा दशहरा केवल धार्मिक पर्व नहीं बल्कि सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। इस अवसर पर विभिन्न वर्गों और समुदायों के लोग एक साथ पूजा और स्नान करते हैं। मेलों में लोक संस्कृति की झलक दिखाई देती है। ग्रामीण और शहरी जीवन के लोग समान रूप से इस पर्व में भाग लेते हैं। यह पर्व भारतीय समाज में सामूहिकता, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है।

वर्तमान समय में गंगा नदी कई चुनौतियों का सामना कर रही है। बढ़ता प्रदूषण, औद्योगिक अपशिष्ट, प्लास्टिक कचरा और अवैज्ञानिक विकास कार्य गंगा की पवित्रता और अस्तित्व को प्रभावित कर रहे हैं। कई स्थानों पर गंगा का जल प्रदूषित हो चुका है जिससे जलीय जीवों और मानव स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। गंगा दशहरा का पर्व हमें यह भी संदेश देता है कि केवल पूजा और आस्था पर्याप्त नहीं है, बल्कि गंगा की स्वच्छता और संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास भी आवश्यक हैं।

सरकार और समाज द्वारा गंगा संरक्षण के लिए अनेक योजनाएँ चलाई गई हैं। घाटों की सफाई, सीवेज उपचार संयंत्र, वृक्षारोपण और जनजागरण अभियान जैसे कार्य किए जा रहे हैं। लेकिन इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है जब आम नागरिक भी अपनी जिम्मेदारी समझें। नदियों में कचरा फेंकने, प्लास्टिक का उपयोग करने और जल को दूषित करने से बचना आवश्यक है। गंगा केवल धार्मिक धरोहर नहीं बल्कि प्राकृतिक संपदा भी है। इसका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

गंगा दशहरा का आध्यात्मिक संदेश भी बहुत गहरा है। गंगा का अवतरण त्याग, तपस्या और लोककल्याण का प्रतीक माना जाता है। राजा भगीरथ ने अपने पूर्वजों के उद्धार और समाज के कल्याण के लिए कठिन तप किया था। यह कथा मनुष्य को निस्वार्थ कर्म और धैर्य की प्रेरणा देती है। भगवान शिव द्वारा गंगा को अपनी जटाओं में धारण करना संतुलन और संरक्षण का प्रतीक माना जाता है। यह संदेश देता है कि प्रकृति की शक्तियों का सम्मान और संतुलित उपयोग आवश्यक है।

आज के भौतिकवादी युग में गंगा दशहरा जैसे पर्व लोगों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हैं। आधुनिक जीवन की व्यस्तता के बीच यह पर्व मनुष्य को आध्यात्मिक शांति और आत्मिक संतुलन का अनुभव कराता है। गंगा तट पर होने वाली आरती, मंत्रोच्चार और दीपों की पंक्तियाँ मन को अद्भुत शांति प्रदान करती हैं। यह दृश्य केवल धार्मिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक अनुभव भी होता है।

गंगा दशहरा भारतीय संस्कृति की उस परंपरा का प्रतीक है जिसमें प्रकृति को माता के रूप में पूजने की भावना निहित है। भारतीय सभ्यता ने सदैव नदियों, पर्वतों, वृक्षों और पृथ्वी को सम्मान दिया है। गंगा की पूजा वास्तव में जल और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता की अभिव्यक्ति है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जल ही जीवन है और उसका संरक्षण मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य है।

अंततः गंगा दशहरा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि भारतीय जीवन दर्शन का जीवंत प्रतीक है। इसमें आस्था, इतिहास, संस्कृति, पर्यावरण और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम दिखाई देता है। माँ गंगा भारतीय जनमानस में सदियों से श्रद्धा और विश्वास की धारा के रूप में प्रवाहित हो रही हैं। यह पर्व हमें पवित्रता, सेवा, त्याग और प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है। यदि हम गंगा की स्वच्छता और संरक्षण के प्रति सचेत रहें तो यही गंगा दशहरा का सच्चा सम्मान होगा। गंगा की निर्मल धारा केवल जल नहीं बल्कि भारत की आत्मा है, जिसे सुरक्षित रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

मां नर्मदा जी से मिलने आती हैं मां गंगा

पंडित संदीप ज्योतिषी

26 मई गंगा दशहरा पर विशेष

सनातन व्यवस्था में व्रत पर्व आदि सभी शुद्ध मास में ही निर्धारित होते हैं लेकिन गंगा दशहरा इस बार जयेशठ अधिक मास मैं पड रहा है पंडित संदीप ज्योतिषी बताते हैं कि शास्त्रों में कहा गया है जस्ट शुक्ल दशमी को हस्त नक्षत्र आदि शुभ काल में गंगा का इस धारा धाम में आगमन हुआ था इसलिए यह तिथि गंगा दशहरा के नाम से प्रसिद्ध हुई इसके अतिरिक्त इसी तिथि को 10 विशेष शुभ कॉल खंड का संयोग भी प्राप्त होता है जो इस 10 प्रकार के पापों का नाश करता हुआ अनंत शुभ फलों को प्रदान करता है इसलिए इसका नाम गंगा दशहरा है 10 विशेष शुभ कॉल खंड में ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष दशमी तिथि मंगलवार दिन हस्त नक्षत्र गर करण आनंद योग कन्या राशि पर चंद्र व वृषभ राशि पर सूर्य की स्थिति शामिल है गंगा दशहरा तिथि पर 10 विधि स्नान का महत्व है इसमें दूध दही भस्म मृतिका गोमूत्र सर्व औषधि कुशोधक गाय का घी स्वर्ण जल से स्नान शामिल है

ज्योतिषाचार्य पंडित संदीप ज्योतिषी के अनुसार पर्व विशेष पर गंगा नर्मदा आदि पवित्र नदियों में स्नान कर अन्य वस्त्र का दान जप तप उपासना और उपवास किया जाए तो 10 प्रकार के पाप तीन प्रकार के का यीक चार प्रकार के वाचिक और तीन प्रकार के मानसिक दूर होते हैं इस प्रकार स्नान करके शिवलिंग पर गंध पुष्प धूप दीप नैवेद्य और फल आदि से पूजन करके रात को जागरण करें तो अनंत फल प्राप्त होता है हमारे शास्त्रों में ऐसा उल्लेख मिलता है की मां गंगा जी मां नर्मदा जी से मिलने गंगा दशहरा को अमरकंटक आती हैं

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

हे अचंभित देख तुझको हे पथिक मैं देहरी छोड़ जाने किधर आई प्रीत गालियाँ साँकरी अब न तुम तुम हो और मैं भी अब नहीं अल्हड़ रही जो तुम्हारी प्रीत में थी नासमझ सी बांवरी काठ का ये द्वार अपने बीच लक्ष्मण रेख सा पार कर जाऊं नहीं मैं स्वांस अपनी आखिरी मां बहू पत्नी बनी मैं लाख रिश्तों में पगी सदन देवालय सरीखा हैं विराजे इत हरी अब न आना तुम पलट कर यूं कभी फिर सामने हो पथिक अनजान,मानो बात कहती हूं खरी।

– रजनी रामदेव

कदमों में उसके सर होता। अपना भी कोई घर होता।। करता चलता यदि समझौता, तो आसां बहुत सफर होता। जिसमें बाकी है खुद्दारी, उसको कब कोई डर होता। कुछ अपनी शर्तों पर जीते, हर शख्स नहीं अनुचर होता। पशुता करती ताण्डव नर्तन, हाथों में जब खंजर होता। प्रेम समझती दुनिया तो फिर, कान्हा बस मुरलीधर होता। **– डॉ बिपिन पाण्डेय**

जमीन की धूल माथे पर लगाकर, गगन को चूमने की चाह रखना। दिखावे की इस झूठी रोशनी में, तू अपनी सादगी की राह रखना। घमंड में चूर जो फिरते हैं हरदम, उनके लिए हृदय में दया रखना। स्वाभिमान कम नही है मेरा भी, taken for granted ना ले लेना। नमन है विनम्रता को मेरा हमेशा, उसूल रखा है जिंदगी में मैने भी जहां कद्र ना हो वहाँ? सलाह ना देना। **– इंदु वत्स**

अक्सर जो दिखता है वो होता नहीं और जो होता है वो दिखता नहीं चौंकिए मत ! ये सच है । जरूरी नहीं जो भोलाभाला दिखे वो भोलाभाला ही हो , और जो क्रोधी है वो नर्म दिल इन्सान नहीं।

– पूनम झा प्रथमा

गल्तियां मेरी गिनाने लगा है बात सारी वो घुमाने लगा है जानता है दाग़ दामन में कितने साफ दामन को बताने लगा है सामना कैसे करेगा वो सच कासच से जो नज़रें चुराने लगा है वक़्त सबको दे गया है सबक तोहोश सबका ही ठिकाने लगा है बदगुमानी ओढ़कर बोलता है सब्र मेरा आज़माने लगा है आग जैसे रिश्तों से बचके रहना 'मित्र' भी दामन बचाने लगा है। **– मित्र ग़ाज़ियाबादी**

एक इनबॉक्स पुरुष मित्र की उत्सुकता : रात को इतनी देर तक भी ऑनलाइन हो...क्या करती रहती हो ?? इन लोगों को मैं बता देना चाहती हूँ कि... मैं - साधना करती हूँ भूत पिशाचों को बुलाती हूँ तंत्र मंत्र विद्या जानती हूँ पीपल वाली चुड़ैल का वास है मुझमें दूर रहा करो मुझसे इनबॉक्स पुरुष :शॉक्ड मधुरिमा : रॉक्ड।

– सीमा राय

दर्द के संसार को भी देख लेंगे हम। वक्त के अंगार को भी देख लेंगे हम।। हो गए विश्वासघाती मित्र अपने सब। शत्रुओं के वार को भी देख लेंगे हम।। कृष्ण अपना सारथी है, कौन रोकेगा। भीष्म के प्रतिकार को भी देख लेंगे हम।। चल पड़े हैं नाव लेकर आज नदिया में। तेज बहती धार को भी देख लेंगे हम।। जिंदगी का प्यार पाया अब तलक हमने। मौत के संहार को भी देख लेंगे हम।।

– दिनेश रोहित चतुर्वेदी

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज आपका व्यक्तित्व लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा और खासकर राजनीति या सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की छवि मजबूत होगी।

वृषः आज किस्मत आपके लिए संपत्ति और धन से जुड़े अच्छे संकेत लेकर आई है। कई काम एक साथ आने से भागदौड़ बढ़ेगी, लेकिन इसी भागदौड़ में कोई बड़ा फायदा भी छिपा है।

मिथुनः आज आपका दिल दूसरों की मदद करने और कुछ अच्छा करने में लगेगा। नई कोशिशें रंग लाएंगी और लोग आपके काम की तारीफकरेंगे।

कर्कः आज दिन सकारात्मक रहेगा, लेकिन मन किसी अनजानी चिंता में उलझा रह सकता है। भाई-बहनों का साथ और सहयोग आपको राहत देगा।

सिंहः आज आपको हर कदम सोच-समझकर रखने की जरूरत है। आसपास के लोगों के विवादों से दूरी बनाए रखें, वरना बिना वजह तनाव मिल सकता है।

कन्याः आज का दिन तरक्की और नए अवसरों का संकेत दे रहा है। लंबे समय से अटका कोई सरकारी काम पूरा हो सकता है, जिससे मन हल्का महसूस करेगा।

तुलाः आज मेहनत का पूरा फल मिलने वाला है। धन कमाने के साथ-साथ उसे सही जगह निवेश करने का विचार भी मन में आएगा, जो भविष्य में फायदा देगा। लेकिन कानूनी मामलों में लापरवाही मुश्किलें बढ़ा सकती है।

वृश्चिकः आज आपके दिमाग में नए-नए आइडिया बिजली की तरह दौड़ेंगे। कुछ अलग और बड़ा करने की इच्छा मजबूत होगी। जीवनसाथी के करियर में भी नया मोड़ आ सकता है।

धनुः आज पैसों और लेनदेन के मामलों में अतिरिक्त सावधानी रखने की जरूरत है। आपकी निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी, लेकिन किसी के बहकावे में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है।

मकरः आज का दिन उतार-चढ़ाव के बीच अच्छी खबरें भी लेकर आएगा। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को बड़ा पद या सम्मान मिलने के योग हैं।

कुंभः आज आप जीवन को खुलकर जीने के मूड में रहेंगे। बच्चों के साथ बिताया गया समय आपकी टेंशन कम कर देगा। पिता की ओर से कोई सरप्राइज या खास सहयोग मिल सकता है।

मीनः आज भागदौड़ कुछ ज्यादा रह सकती है और मन भी थोड़ा बेचैन रहेगा। कामों में लापरवाही बाद में परेशानी खड़ी कर सकती है, इसलिए हर जिम्मेदारी समय पर पूरी करें। विद्यार्थियों को पढ़ाई में ध्यान लगाने की जरूरत है।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) भारतीय संविधान में शामिल नीति निर्देशक सिद्धांत किसके संविधान से प्रेरित हैं?

2) भारतीय नागरिकों के मूल कर्तव्यों का विवरण संविधान के किस भाग में दिया गया है?

3) 27 दिसम्बर 1911 में पहली बार जन गण मन कहाँ पर गायी गई?

4) किसने कहा था मेरी पीठ पर किया जाने वाला प्रहार ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत में एक कील सिद्ध होगी?

5) 5वीं एलजी कप आइस हॉकी चैंपियनशिप किस पुरुष टीम ने जीती?

उत्तरमाला- (1) अमरकोश (2) भाग 4-क (3) कोलकाता (4) लाला लाज (5) ईरी किलरल बॉस्ट यूनिट

पहेली

शब्द सामर्थ्य -048

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दिशासूचाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सूरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

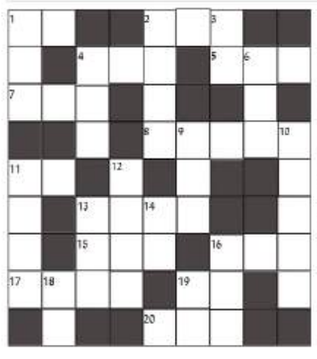

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 047 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्ष		धु	रीं
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
च	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		बा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

खूब तपा रही गर्मी, सड़कें सूनसान, अगले चार दिन राहत के आसार नहीं

***बिलासपुर/नवप्रदेश।** शहर में मई महीने की भीषण गर्मी अब केवल मौसमी बदलाव नहीं मानी जा रही, बल्कि इसे तेजी से बिगड़ते पर्यावरण और क्लाइमेट चेंज से जोड़कर देखा जा रहा है। मौसम और पर्यावरण पर नजर रखने वाली संस्था AQI.in की ताजा रिपोर्ट में बिलासपुर का क्लाइमेट चेंज स्कोर 67 दर्ज किया गया है, जिसे 'वेरी हाई' यानी बेहद गंभीर श्रेणी में रखा गया है।*

रिपोर्ट के अनुसार पिछले 16 वर्षों में शहर की मौसमी सेहत 31.6 प्रतिशत तक बिगड़ चुकी है। विशेषज्ञों के मुताबिक शहर में तेजी से बढ़ते कंक्रीट निर्माण, डामर की सड़कों और पेड़ों की कटाई ने बिलासपुर को 'हीट आइलैंड' में बदल दिया है। इसका असर यह है कि अब दिन के साथ रात का तापमान भी सामान्य से अधिक रहने लगा है। सीपत रोड, लिंक रोड, राजकिशोर नगर और मंगला चौक जैसे इलाकों में सबसे ज्यादा गर्मी महसूस की जा रही है। जिन स्थानों पर पहले हरियाली और खाली जमीन थी, वहां अब कंक्रीट निर्माण बढ़ने से तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। पिछले पांच दिनों से शहर में तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। 20 मई को अधिकतम तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया, जो इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। दोपहर के समय सड़कें सूनी नजर आने लगी हैं और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक कहीं-कहीं हीट वेव जैसी स्थिति बने रहने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार ओडिशा के आंतरिक भागों और आसपास के क्षेत्रों में समुद्र तल से 1.5 किलोमीटर ऊपर तक चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है।

सुबह 10 बजे के बाद तेजी से बढ़ेगा खतरा

सुबह 8 बजे V रेज की तीव्रता 1 रहेगी, जो 9 बजे तक बढ़कर 5 पर आ सकता है। 10 बजे यह सीधे 9 तक पहुंच जाएगा। 11 से 12 बजे के बीच 11 के बीच होगा। इसके बाद दोपहर 1 बजे तक 9 के स्तर तक पहुंचेगा। ऐसे में बहुत जरूरी काम हो तभी 12 के बाद निकलें। क्योंकि 9 का लेवल भी खतरनाक है। 2 बजे के बाद सावधानी के साथ आप निकल सकते हैं।

ब्रेन और इमोशंस पर हीट का असर

गर्मी में टेम्परेचर बढ़ने पर ज्यादातर लोग थकान, चिड़चिड़ापन या कम नींद जैसी समस्याएं महसूस करते हैं। कई बार काम में फोकस कम हो जाता है, बात-बात पर गुस्सा आता है या बिना वजह बेचैनी बढ़ती है। हीट वेव या लगातार हाई टेम्परेचर से स्ट्रेस लेवल, स्लीप प्रॉब्लम्स और मूड स्विंग्स से जुड़े केस बढ़ सकते हैं। 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, गर्मियों में मेंटल हेल्थ डिपार्टमेंट के केस 8% तक बढ़ जाते हैं। डिहाइड्रेशन, खराब स्लीप पैटर्न और डेली रूटीन में बदलाव मिलकर 'मेंटल बैलेंस' को प्रभावित करते हैं। इसलिए जानेंगे कि गर्मी ब्रेन को कैसे प्रभावित करती है। किन लोगों को ज्यादा रिस्क होता है? इससे बचने के आसान उपाय क्या हैं?

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

बिलासपुर में तापमान 44 डिग्री पहुंचने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की है। लोगों को दोपहर में धूप से बचने, ज्यादा पानी पीने और शरीर हाइड्रेट रखने की सलाह दी गई है। बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं को सबसे ज्यादा सतर्क रहने कहा गया है। इमरजेंसी के लिए हेल्पलाइन नंबर 87706-64365 और 75870-38622 जारी किए गए हैं।

न्यूज गैलरी

यूपीएससी-2026 प्रीलिम्स, 4870 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

बिलासपुर/नवप्रदेश। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सर्विस प्रारंभिक परीक्षा 24 मई यानी आज हुई। बिलासपुर में 14 एग्जाम सेंटर बनाए गए थे। 2 अलग-अलग पालियों में हुए एग्जाम में 4870 कैंडिडेट्स शामिल हुए। इस बार परीक्षा में पहली बार फेस ऑथेंटिकेशन सिस्टम लागू किया गया था। कैंडिडेट्स को एग्जाम सेंटर में एंट्री से पहले फेस ऑथेंटिकेशन प्रोसेस से गुजरना पड़ा। यानि कैंडिडेट्स जब सेंटर पहुंचें तो उनका फेस स्कैन किया गया। वेरिफाइड होने के बाद उन्हें अंदर जाने दिया गया। सिविल सेवा परीक्षा के मार्गदर्शक डॉ. योगेश्वर मिश्रा के मुताबिक इस साल का पेपर पिछले दो सालों की तुलना में अधिक लेंदी रहा कई प्रश्न फ्लफी और स्टेटमेंट हेवी थे पॉलिटी + गवर्नेंस + एथिक्स इंटीग्रेशन प्रमुख ट्रेंड रहा करेंट अफेयर्स अधिक एनालिटिकल और इनडायरेक्ट रहे टाइम मैनेजमेंट सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा कट ऑफ में हल्की गिरावट संभव दिखाई देती है। परीक्षा पहली पाली में सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक और दूसरी पाली में दोपहर 2:30 से 4:30 बजे तक हुई। पहली पाली के लिए सुबह 9 बजे मेन गेट बंद कर दिया गया था। दूसरी पाली के लिए दोपहर 2 बजे परीक्षा केंद्र का मेन गेट बंद कर दिया गया। इसमें शासकीय बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शासकीय ई राघवेन्द्र राव स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय, शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय कोनी शामिल है। सीएमडी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कौशलेन्द्र राव विधि महाविद्यालय अशोक नगर, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला दयालबंद, लाल बहादुर शास्त्री उच्चतर माध्यमिक शाला, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक शाला मुक्तिधाम चौक सरकंडा में एग्जाम हुए। इसके अलावा शासकीय माता सबरी नवीन कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, देवकीनंदन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महालक्ष्मी मंगलम स्कूल ऑफ बिजनेस, शासकीय उच्चतर मध्यामिक विद्यालय, स्वामी आत्मानंद उतकृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, इंदिरा गांधी शासकीय उतकृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल को परीक्षा केंद्र बनाया गया था।

केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने जबलपुर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट व आईएसबीटी स्थल का किया निरीक्षण

स्वच्छता, नागरिक सुविधाओं, अधोसंरचना विकास के प्रभावी संचालन करने अधिकारियों को निर्देश

***बिलासपुर/नवप्रदेश।** केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने मध्यप्रदेश प्रवास के दौरान जबलपुर में विभिन्न नगरीय विकास, स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण कर व्यवस्थाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की।*

इस दौरान उन्होंने कथौंडा स्थित 32 एमएलडी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी), अंतरराज्यीय बस अड्डा (आईएसबीटी), वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट, वेस्ट-टू-वंडर पार्क तथा अन्य स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वच्छता, नागरिक सुविधाओं, अधोसंरचना विकास एवं व्यवस्थाओं के प्रभावी संचालन को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आधुनिक, स्वच्छ, हरित एवं नागरिक हितैषी शहरी व्यवस्थाओं के विकास हेतु निरंतर कार्य कर रही है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि कथौंडा, ललपुर एवं तेवर स्थित एसटीपी संयंत्रों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 70 एमएलडी से अधिक सीवेज जल का उपचार किया जा रहा है। अमृत योजना 1.0 के अंतर्गत विकसित इन परियोजनाओं से पहले सीधे नदियों में जाने वाले गंदे पानी को अब सीवर नेटवर्क के माध्यम से उपचार संयंत्रों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे नदी प्रदूषण में कमी आई है तथा पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिली है। वर्तमान में शहर के 90 हजार से अधिक घर सीवर लाइन नेटवर्क से जोड़े जा चुके हैं। श्री साहू ने उपचारित जल के पुनः उपयोग, ड्राय स्लज के खाद के रूप में उपयोग तथा हरित क्षेत्रों के विकास जैसी पहलों की सराहना करते हुए कहा कि यह शहरी विकास एवं जल संरक्षण की दिशा में अत्यंत सराहनीय मॉडल है।

3 लाख मीट्रिक टन कचरे का सफल रेमेडिएशन

केंद्रीय मंत्री ने जबलपुर के अत्याधुनिक वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि सेंट्रल इंडिया के इस अत्याधुनिक संयंत्र में प्रतिदिन लगभग 600 टीपीडी कचरे का प्रोसेसिंग कर लगभग 11.5 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। लगभग 178 करोड़ लागत से पीपीपी मॉडल पर विकसित इस परियोजना में पुराने डम्पसाइट के लगभग 3 लाख मीट्रिक टन कचरे का सफल रेमेडिएशन किया गया है। उन्होंने आईएसबीटी परिसर में विकसित 'कबाड़ से कमाल' थीम आधारित वेस्ट-टू-वंडर पार्क तथा RRR सेंटर का भी अवलोकन किया और 3R — Reduce, Reuse, and Recycle — आधारित नवाचारों की सराहना की। इसके पश्चात जबलपुर स्थित सर्किट हाउस में सांसद, जबलपुर महापौर एवं कार्यकर्ता साथियों द्वारा केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू का आत्मीय स्वागत किया गया। तत्पश्चात विभागीय अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में स्वच्छ भारत मिशन-अर्बन 2.0, अमृत 2.0, स्मार्ट सिटी मिशन एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जल आपूर्ति, सीवरेज नेटवर्क, तालाब पुनर्जीवन, हरित क्षेत्र विकास, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं शहरी अधोसंरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई। श्री साहू ने योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जबलपुर ने स्वच्छता एवं नगरीय विकास के क्षेत्र में देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है और इसे और अधिक आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं नागरिक सुविधाओं से समृद्ध बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

शादी का झांसा देकर नाबालिग का दैहिक शोषण, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। अपहृता को शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी को बिल्हा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने प्रेम प्रसंग में फंसाकर उसके घर से भगाकर ले जाता था। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस के अनुसार प्रार्थी द्वारा 23 मई को थाना उपस्थित आकर लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी नाबालिग पुत्री 22 मई को घर से बिना बतायी चली गयी थी जिसे 23 मई को डायल-112 द्वारा सूचना प्राप्त होने पर अपहृता को थाना बिल्हा सुपुर्द किया गया था। अपहृता से पूछताछ पर बिल्हा निवासी दीप दास मानिकपुरी के द्वारा ग्राम बरतोरी से अपहृता को अपने साथ बहला फुसलाकर घर ले जाकर शारीरिक संबंध बनाना बतायी है जिस पर अपराध पंजीबध्द कर थाना प्रभारी द्वारा तत्काल हालात से उमनि एवं व.पु.अ. रजनेश सिंह बिलासपुर को अवगत कराकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह एवं नगर पुलिस अधीक्षक चकरभाठा डी.आर. टण्डन के मार्गदर्शन पर महिला संबंधी अपराध पर त्वरित कार्यवाही करते हुये आरोपी दीपक दास मानिकपुरी पिता शिवशंकर मानिकपुरी उम्र 24 वर्ष निवासी बिल्हा को पकड़कर थाना लाकर पूछताछ करने पर अपराध घटित कराना पाये जाने पर आरोपी को गिरफतार कर 24 मई को न्यायालय न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। प्रकरण की उक्त कार्यवाही में निरीक्षक तोपसिंह नवरंग, उनि जी.एल.चन्द्राकर, प्र.आर. 102 अमर चन्द्रा, आरक्षक 1431 अर्जुन जांगडे व आर. 1210 सुमन चंद्रवंशी की अहम भूमिका रही।

इबोला वायरस को लेकर सिम्स अलर्ट, बैठक में तैयारियों पर चर्चा

***बिलासपुर/नवप्रदेश।** शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं सिम्स अस्पताल बिलासपुर में संभावित इबोला वायरस संक्रमण की रोकथाम, उपचार व्यवस्था तथा अस्पताल में संक्रमण नियंत्रण को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से अस्पताल संक्रमण नियंत्रण टीम की आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. लखन सिंह द्वारा सुपरिंटेंडेंट ऑफिस में किया गया, जिसमें अस्पताल की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।*

बैठक में संभावित इबोला संक्रमित मरीजों के उपचार हेतु अस्पताल की वार्ड प्रिपेयर्डनेस, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, आइसोलेशन व्यवस्था एवं संक्रमण नियंत्रण उपायों पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही संदिग्ध मरीजों के लिए पृथक सैंपल कलेक्शन एरिया विकसित करने तथा उसकी कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। सिम्स अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने बैठक के संबंध में कहा कि किसी भी संभावित संक्रामक रोग से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए समय रहते तैयारी एवं सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सिम्स अस्पताल में मरीजों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा संक्रमण नियंत्रण से संबंधित सभी प्रोटोकॉल का गंभीरता एवं प्रतिबद्धता के साथ पालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जागरूकता, प्रशिक्षण एवं निगरानी व्यवस्था को लगातार मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए। मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. लखन सिंह ने कहा कि अस्पताल प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं तैयार है तथा संक्रमण नियंत्रण संबंधी सभी मानकों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं व्यवस्थित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। एचआईसीटी टीम को अस्पताल परिसर में सैनिटाइजेशन एवं संक्रमण नियंत्रण कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने, नियमित मॉनिटरिंग करने तथा जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अतिरिक्त सभी चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के लिए इबोला वायरस संक्रमण की पहचान, पीपीई किट के उचित उपयोग, हैंड हाइजीन एवं संक्रमण रोकथाम उपायों पर विशेष प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में डॉ. संजय घिल्ले, डॉ. अनिल कुमार डोनसेना, डॉ. जयपाल चंद्रवंशी, डॉ. रेखा बरापात्रे, डॉ. डरवीं देशोंजा, गरीमा पाण्डेय, उत्कर्ष शर्मा, सरिता बहादुर, पुष्पा शर्मा, ग्रासी, ममता लाल, नमिता वानी, सरिता टोप्पो, रेणु साहू एवं कमलेश दीवान सहित एचआईसीटी टीम के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने अस्पताल में संक्रमण नियंत्रण उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आपात परिस्थितियों में समन्वित रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

कबड्डी प्रतियोगिता में चिंगराजपारा को प्रथम पुरस्कार

एक दिवसीय राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

बिल्हा/नवप्रदेश। बिल्हा ग्राम पंचायत निपनिया के तत्वाधान मैं एक दिवसीय राज्य स्तरीप कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाकाल वारियर्स कबड्डी टीम निपनिया ने प्रथम वर्ष सफलतापूर्वक आयोजन किया जिसके मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस नेता पूर्व छाया विधायक राजेंद्र शुक्ला विशेष अतिथि मंगल स्पज एंड स्टील प्लांट बिल्हा के डायरेक्टर नरेश मंगल बंसल, चावल उद्योग के डायरेक्टर मुरारीलाल अग्रवाल, ग्राम पंचायत निपानिया के सरपंच रामेश्वरी कौशले की उपस्थिति में आयोजन संपन्न हुआ जिसका मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं में बढ़ रहे नशा पर रोक लगाकरआज की युवा पीढ़ी को खेल के प्रति उत्साहित करने के उद्देश्य सेऔर नशा मुक्त ग्राम के पहल पर कबड्डी का आयोजन किया गया। इस कबड्डी टीम में प्रथम पुरस्कार चिगराजपारा बिलासपुर को 10000 एव

शील्ड बंसल चावल उद्योग के डायरेक्टर मुरारी अग्रवाल के द्वारा एवं द्वितीय पुरस्कार अमलडीहा सक्ती को 7100 रु एव शील्डम से ग्राम पंचायत निपानिया के सरपंच रामेश्वरी कौशल के द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस कबड्डी प्रतियोगिता के आयोजन में सरपंच रामेश्वर कोसले उपसरपंच ममता यादव एवं समस्त पंचायत परिवार का योगदान रहा। समय-समय पर अनेक प्रतियोगिता आयोजित कर युवाओं को खेल एवं शिक्षा के प्रति हमेशा अभिप्रेरित करते रहते हैं इसमें ग्राम के पूर्व सरपंच श्याम यादव, हाशिम खान, प्रेम गेंदले, संदीप बर्मन, सूरज यादव, सुनील यादव, सानू यादव, द्वारिका पटेल, अनिल ठाकुर सहित अन्य ग्रामवासी की उपस्थित थे।

संगठित अपराधों पर अंकुश लगाने पुलिस अफसरों को ट्रेनिंग

एसएसपी ने नवीन विधिक प्रावधानों, डिजिटल प्रक्रियाओं से अपडेट रहने पर दिया जोर

बिलासपुर/नवप्रदेश। संगठित अपराधों और ई-साक्ष्य पर पुलिस अधिकारियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान एसएसपी रजनेश सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारियों को नवीन विधिक प्रावधानों, तकनीकी साक्ष्यों और डिजिटल प्रक्रियाओं से अपडेट रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। चेतना भवन सिविल लाइन बिलासपुर में शनिवार को आयोजित इस कार्यशाला में राजपत्रित अधिकारियों, थाना/चौकी प्रभारियों और विवेचकों सहित 60 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एसडीओपी नूपुर उपाध्याय ने

संगठित अपराध और छोटे संगठित अपराध विषय पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने संबंधित कानूनी प्रावधानों, विवेचना प्रक्रिया, अपराध नियंत्रण रणनीतियों और मामलों के प्रभावी निराकरण पर मार्गदर्शन प्रदान किया। आरक्षक डीके साहू ने ई-साक्ष्य, ई-समन और iGOT कर्मयोगी विषय पर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने डिजिटल साक्ष्यों के संरक्षण, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से समन तामील की प्रक्रिया और iGOT कर्मयोगी पोर्टल के उपयोग एवं महत्व के संबंध में व्यावहारिक जानकारी साझा की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल को आधुनिक तकनीक और नवीन विधिक प्रक्रियाओं से प्रशिक्षित कर दक्ष बनाना था। इसका लक्ष्य अपराधों की प्रभावी रोकथाम और गुणवत्तापूर्ण विवेचना सुनिश्चित करना है।

जनसंपर्कः कांग्रेस प्रत्याशी शेख मोहम्मद आजम के समर्थन में जनसंपर्क रैली निकालकर जनता से आशीर्वाद लिया

तारबहार वार्ड 29 में चुनाव, विधायक देवेंद्र ने किया मेगा रोड शो

***बिलासपुर/नवप्रदेश।** वार्ड क्रमांक 29 संजय गांधी नगर तारबाहर उपचुनाव में मतदान 1 जून को होना है, मैदान में कांग्रेस और भाजपा मुख्य रूप से आमने सामने है। परंपरागत रूप से कांग्रेस का गढ़ माने जाने वाला इस वार्ड में कांग्रेस मजबूती के साथ उतरने की त्यारी में जुट गई है।*

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवम भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, शहर एवम ग्रामीण जिला अध्यक्ष व शहर के वरिष्ठ कांग्रेस नेतागण 23 मई की शाम को तारबहार वार्ड क्रमांक 29 पहुंचे, जहां उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी शेख मोहम्मद आजम के समर्थन में विशाल जनसंपर्क रैली निकालकर जनता से आशीर्वाद प्राप्त किया। रैली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। वार्ड क्रमांक 29 संजय गांधी नगर में आयोजित इस जनसंपर्क अभियान के दौरान देवेंद्र यादव ने कहा कि तारबहार क्षेत्र हमेशा से कांग्रेस का मजबूत गढ़ रहा है। चाहे लोकसभा चुनाव हो, विधानसभा चुनाव हो या नगर निगम चुनाव – यहां की जनता ने सदैव कांग्रेस पर विश्वास जताया है। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय शेख गफ्फार एवं स्वर्गीय शेख असलम के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। नेताओं ने कहा कि स्वर्गीय शेख गफ्फार ने पूरे जीवन कांग्रेस की विचारधारा को मजबूत करने और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य किया। पूरा तारबहार उनका परिवार रहा है और उन्होंने तारबहार क्षेत्र को कांग्रेसमय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। श्री यादव की रैली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं क्षेत्रवासियों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पूरे क्षेत्र में चुनावी माहौल पूरी तरह कांग्रेसमय नजर आया। जिला अध्यक्ष शहर सिद्धांशु मिश्रा द्वारा गठित की गई 31 सदस्य जंबो चुनाव संचालन समिति भी मैदान में उतर चुकी है जिसकी 23 मई को सुबह विशेष बैठक कांग्रेस भवन में आयोजित हुई जिसमे आगामी चुनाव की रूप रेखा तै की गई। कांग्रेस नेताओं ने संकल्प लिया कि स्वर्गीय शेख गफ्फार को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए कांग्रेस प्रत्याशी शेख मोहम्मद आजम को उपचुनाव में प्रचंड मतों से विजयी बनाया जाएगा।

पीएम का पुतला फूंका

पेट्रोल मूल्य वृद्धि के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

जबलपुर । नवप्रदेश

पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों और महंगाई के विरोध में रविवार को रामपुर चौक पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस नेता घनश्याम महोबिया ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए घनश्याम महोबिया ने कहा कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण आम जनता महंगाई की मार झेल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से परिवहन और दैनिक उपयोग की वस्तुएं महंगी हो रही हैं, जिससे मध्यम वर्ग, मजदूर और किसान प्रभावित हो रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कीमतों में राहत नहीं दी गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। इस दौरान अमरीश मिश्रा, गुड्डू तमसेतवार, रितेश बंटी गुप्ता, सोनू कुकरेले, सचिन बाजपेई सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आदेशों के प्रति उत्तर में लोक सेवकों द्वारा भेजी गई जानकारी की शाफ्ट कॉपी व्हाट्सएप के माध्यम से मान्य की जाएः मांग

जबलपुर । जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन ने बताया कि आदेशों के प्रति उत्तर में लोक सेवकों से जानकारी मांगी जा रही है जो की हार्ड कॉपी में मांगी जा रही है वर्तमान में भीषण गर्मी के चलते तथा माननीय प्रधानमंत्री की अपील के चलते जानकारी को सॉफ्ट कॉपी में व्हाट्सएप के माध्यम से भेजी जाने वाली जानकारी को कार्यालय द्वारा मान्य की जाए कार्यालय द्वारा हार्ड कॉपी में जमा करने का दबाब ना बनाया जावे! कर्मचारियों को कई किलोमीटर से चलकर के कार्यालय में आदेश के प्रति उत्तर की कॉपी जमा करनी होती है जिसकी तहत उन्हें बड़ी परेशानी के सामना करना पड़ रहा है अतः माननीय उच्च अधिकारियों से निवेदन है कि कार्यालयों मे लोक सेवकों द्वारा भेजी गई जानकारी की सॉफ्ट कॉपी मान्य करने आदेश जारी किया जाए! इस भीषण गर्मी को देखते हुए पेट्रोल की समस्या को देखते हुए सॉफ्ट कॉपी मान्य की जाए द्य प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, राजेश सहारिया, रऊफ खान , राजकुमार यादव, फिलिप एंथोनी , राकेश श्रीवास, दीपेश जैन , सुरेंद्र चौधरी, गोपी शाह, संतोष चोरसियाआदि ने मांग की है।

न्यूज गैलरी

मनोज नामदेव उपाध्यक्ष नियुक्त

जबलपुर । म.प्र. कांग्रेस कमेटी के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार कांग्रेस प्रकोष्ट प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर कांग्रेस नेता मनोज नामदेव को नियुक्त किया गया. नियुक्ति पर पूर्व केबिनेट मंत्री लखन घनघोरिया,पूर्व वित्त मंत्री तरूण भानोत, नगर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा,जिला ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव वरिष्ट कांग्रेस नेता दिनेश यादव आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुये बधाई दी।

सहजपुर ब्रिज पर टैंकर की टक्कर से बाईक सवार की मौत

जबलपुर । भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के सहजपुर ब्रिज पर तेज रफ्तार टैंकर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने टैंकर चालक के खिलाफ धारा 106(1) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भेड़ाघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोटेगांव निवासी मनोज कुमार गौड़ अपने जीजा बसोरी उर्फ कृष्णा गौड़ के घर ग्राम धनेटा जा रहा था. रास्ते में सहजपुर ब्रिज के पास एक एक टैंकर की टक्कर लगने से घायल हो गया. घटना की सूचना मिलने पर उसका जीजा बसोरी मौके पर पहुंचा. जहां मनोज कुमार सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ा मिला, जिसके सिर में गंभीर चोट थी। अस्पताल ले जाने के पहले ही उसकी मौत हो गई. पास में उसकी पल्सर बाइक और टैंकर क्रमांक आरजे 09 जीई 6473 खड़ा था, जबकि चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजते हुए मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

55 हजार नगदी सहित जेवर लेकर भागे चोर

जबलपुर। पाटन थाना क्षेत्र में सूने मकान को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने नकदी और जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। पाटन पुलिस थाना से प्राप्त जानकारी के चौपाटी वार्ड पाटन निवासी पलक पटेल अपने परिवार के साथ 23 मई की रात ग्वारीघाट में भंडारे में शामिल होने गई थीं। घर के सभी दरवाजों और मेन गेट पर ताला लगा था। रात करीब 1.40 बजे जब परिवार घर लौटा और गेट खोला, तभी एक युवक दीवार फांदकर भाग गया.जबकि दूसरा मकान की छत से कूदकर फरार हो गया। घर के अंदर जाकर देखा तो दो आलमारियों के ताले टूटे मिले। चोर 55 हजार रुपये नकद के साथ चांदी की चैन, अंगूठी और ब्रेसलेट चोरी कर ले गए। शिकायत पर पाटन थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मामले में पुलिस ने धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सूने मकान का ताला तोड़कर 20 हजार नगदी चोरी

जबलपुर । बरगी थाना क्षेत्र के ग्राम कालादेही में सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर 20 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। बरगी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कालादेही निवासी 61 वर्षीय ताराबाई सेन 20 मई को अपने छोटे बेटे आकाश सेन और नातिन के जन्मदिन कार्यक्रम में शामिल होने जबलपुर आई थीं। घर में रखे पर्स में करीब 20 हजार रुपये रखे थे। 23 मई को गांव से सूचना मिली कि घर का ताला टूटा हुआ है और सामान बिखरा पड़ा है। मौके पर पहुंचने पर पर्स और अन्य सामान आंगन में फैला मिला तथा नकदी गायब थी। शिकायत पर बरगी थाना पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस ने धारा 305(ए), 331(4) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के देख भागे दो जुआरी, एक पकड़ा गया

जबलपुर । हनुमानताल थाना पुलिस ने मदार छल्ला पहाड़ी क्षेत्र में जुए के फड़ पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दो आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मौके से 9 हजार 500 रुपये नगद जब्त किए हैं। थाना प्रभारी सुभाषचंद्र बघेल ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पानी की टंकी के पास पुलिस टीम ने दबिश दी, लेकिन पुलिस को देखकर अधिकांश जुआरी भाग निकले। मौके पर गंगा सागर लोधी मोहल्ला गढ़ा निवासी राजेश सिंह पुलिस के हाथ लगा, जिससे पूछतछ में पता चला कि मोनू उर्फ आलूबंडा और सैफू के अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गये। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत मामला दर्ज किया है।

हत्या के विरोध में फूटा आक्रोश पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग

जबलपुर । नवप्रदेश

धनवंतरी नगर क्षेत्र में 22 मई की दरम्यानी रात हुई सुरेंद्र उर्फ चिंगम प्रधान की हत्या के मामले में उचित कार्रवाई नहीं होने से नाराज परिजनों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने शनिवार को धनवंतरी नगर चौकी का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया।

बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग की।

प्रदर्शन में शामिल परिजनों और समाजसेवियों ने आरोप लगाया कि हत्या की घटना सुनियोजित तरीके से अंजाम दी गई है। उनका कहना था कि नामजद आरोपी आयुष अकेले इस वारदात को अंजाम नहीं दे सकता तथा मामले में अन्य लोगों की भी संलिप्तता हो सकती है। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि घटना स्थल के साक्ष्यों से छेड़छाड़ कर परिस्थितियों को बदलने का प्रयास किया गया।

मृतक के परिवार के अनुसार, घटना वाली रात सुरेंद्र उर्फ चिंगम ने अपने बड़े भाई को फोन कर बताया था कि आयुष का बड़ा भाई अभिषेक यादव उसे लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा था। इसके कुछ समय बाद ही सुरेंद्र की हत्या हो गई। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

मामले को लेकर गोरखपुर सीएसपी को ज्ञापन सौंपा गया। अधिकारियों ने परिजनों को निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रदर्शन के दौरान यह जानकारी भी सामने आई कि मुख्य आरोपी आयुष के घर पर ताला लगा मिला तथा उसके परिवार के सदस्य फरार बताए जा रहे हैं। इससे क्षेत्र में लोगों का आक्रोश और बढ़ गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि आयुष का भाई पहले भी मृतक को धमकी दे चुका था। वहीं यह भी दावा किया गया कि घटना वाली रात कुछ संदिग्ध युवक सुरेंद्र को देर रात उसके निवास स्थान तक छोड़ने आए थे।

धनवंतरी नगर चौकी के बाहर हुए इस प्रदर्शन में मृतक के परिजन, समाजसेवी एवं क्षेत्रीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे। प्रदर्शन में एडवोकेट आशीष ठाकुर, महेंद्र पटेल, पूर्व पार्षद राजू पटेल, पंकज, अरविंद, राजेश प्रधान, राजेश मिश्रा, मृतक के पिता देवी प्रसाद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बरगी में ट्रक से टकराई यात्री बस, एक की मौत, तीन घायल

जबलपुर । नवप्रदेश

बरगी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हुल्की में रविवार को सड़क हादसे में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रभू ढाबा के सामने अनाज से भरे ट्रक के पीछे दीपक ट्रेवल्स की बस टकरा गई।

टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बरगी रोड पर लंबा जाम लग गया।

बरगी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक चालक प्रमोद कुमार ठाकुर निवासी देवरीकला छपारा अमरावती से तुअर दाल लोड कर कटनी जा रहा था। ग्राम हुल्की के पास पीछे से आ रही बस अनियंत्रित होकर ट्रक से जा भिड़ी। दुर्घटना में बस सवार राजपाल सिंह निवासी देवघटा, जिला सीधी की मौत हो गई, जबकि मोहम्मद साहिल, कीर्ति सिंह और मनीष कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सड़क पर फैल गई दाल

हादसे के दौरान ट्रक में लोड दाल की बोरियां सड़क पर गिरकर फट गईं, जिससे सड़क पर दाल फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात बहाल कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

आवारा श्वान के हमले से बुजुर्ग जख्मी

जबलपुर । नवप्रदेश

गढ़ा के देवताल क्षेत्र में शनिवार शाम एक आवारा कुत्ते के हमले में 70 वर्षीय जुगल किशोर सोनी गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया है कि वे पैदल त्रिपुरी चौक की ओर जा रहे थे, तभी चौहानी मुक्तिधाम के पास पीछे से आए कुत्ते ने उन पर हमला कर दिया।

हमले में बुजुर्ग सड़क पर गिर पड़े और कुत्ते ने उनके माथे, हाथ और कमर पर कई जगह काट लिया। करीब 15 मिनट तक वे खुद को बचाने का प्रयास करते रहे। बाद में स्थानीय लोगों ने कुत्ते को भगाकर परिजनों को सूचना दी। घायल को तत्काल पुरवा स्थित निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया गया।

स्थानीय दुकानदार आनंद कोष्टा ने बताया कि उक्त आवारा कुत्ता पहले भी क्षेत्र में कई लोगों को काट चुका है, जिससे रहवासियों में भय और नाराजगी का माहौल है।

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद का शिविर

नवोदित कलाकारों की प्रतिभा में आ रहा निखार

जबलपुर । नवप्रदेश

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन कला एवं सांस्कृतिक शिविर में गायन और वादन प्रशिक्षण के माध्यम से युवा प्रतिभाओं को संगीत की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। शिविर में 15 बालक और 8 बालिकाएं भाग लेकर गायन व वादन का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षक पंकज मगरधे और भूपेंद्र दुबे प्रतिभागियों को सुर, ताल और लय की तकनीकी जानकारी देने के साथ मंचीय प्रस्तुति के लिए भी तैयार कर रहे हैं। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद समापन समारोह में प्रतिभागी सरस्वती वंदना, प्रार्थना गीत, देशभक्ति गीत और वादन की प्रस्तुति देंगे।

प्रशिक्षकों ने बताया कि शिविर में संगीत के मूल तत्वों जैसे नोट्स, ताल, माधुर्य और स्वर साधना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वहीं तबला और हारमोनियम वादन का भी अभ्यास कराया जा रहा है। प्रशिक्षुओं को दादरा, रूपक और कहरवा ताल सहित त्रिताल की जानकारी दी जा रही है। केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव फिरोज कुमार मेश्राम ने कहा कि अल्प अवधि के प्रशिक्षण में भी प्रतिभागियों ने उत्साहजनक प्रदर्शन किया है, जिससे आयोजन को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है।

जिला स्तरीय तैराकी एकोटिक प्रतियोगिता

जबलपुर । नवप्रदेश

जिला तैराकी संघ जबलपुर के तत्वावधान में नगर निगम स्वीमिंग पूल भंवरताल में 47वीं जिला स्तरीय तैराकी एकोटिक प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में नगर के वरिष्ठ तैराकों एवं जिला तैराकी संघ के पदाधिकारी वेद प्रकाश चौबे, मुईन रजा द्वारा स्वीमिंग पूल का पूजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह नगर निगम जबलपुर, नीरज सिंह विधायक, विशिष्ट अतिथि डॉ.सुनील बहल उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत जिला तैराकी संघ के अध्यक्ष संजय पटेल, आयोजन समिति संयोजक डॉ. दीपक साहू, सचिव सुनील कुमार पटेल, उमेश पटेल, नवराज सिंह, नीतेश कछवाहा, सिमोन पटेल एवं आयोजन सचिव पं. रामदत्त शुक्ला द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता में रेफरी एवं निर्णायक की भूमिका नवराज सिंह एनआईएस, नीतेश कछवाहा, जमना प्रसाद पटेल, सिमोन पटेल, सार्थक पटेल एनआईएस, शिवम पटेल, विशाल सिंह, अमन लोधी, आशीष पटेल, दीपांशु शुक्ला, शिवम श्रीवास्तव, सिद्धांत पटेल, आदित्य लोधी, आशीष सोनी, नंदन बर्मन, अजीत सिंह, अनुराग नामदेव, सत्यम तिवारी, अमित शर्मा, नेमीचंद रजक एवं माही द्विवेदी ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन सह सचिव मध्यप्रदेश तैराकी संघ सुनील कुमार पटेल ने किया.

सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र में आग, लाखों का नुकसान

कंप्यूटर, दस्तावेज और फर्नीचर जलकर खाक

जबलपुर । नवप्रदेश

पनागर स्थित सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र में रविवार सुबह अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया।

प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

आग की चपेट में आने से केंद्र में रखे कंप्यूटर सिस्टम, सीसीटीवी केबल, फर्नीचर, पंखे, जरूरी दस्तावेज और प्रशिक्षण सामग्री पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। घटना के दौरान क्षेत्र में धुएं का गुबार फैल गया, जिससे लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों ने कमरे से धुआं और आग की लपटें उठती देख तत्काल दमकल विभाग और प्रशासन को सूचना दी। कर्मचारियों और नागरिकों ने शुरुआती स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती चली गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार हादसे में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

प्रशिक्षण गतिविधियां प्रभावित

आगजनी की घटना के बाद केंद्र में संचालित प्रशिक्षण कार्य पूरी तरह ठप हो गए हैं। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। फिलहाल आग लगने के कारणों और नुकसान के आंकलन को लेकर जांच की जा रही है।

वैश्विक अस्थिरता के बीच सोना और चांदी में सीमित दायरे में कारोबार

मुंबई। वैश्विक अस्थिरता के बीच सोने और चांदी शुक्रवार को हल्की गिरावट के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में दोनों कीमती धातु एक सीमित दायरे में थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट अपनी पिछली क्लोजिंग 1,59,606 रुपए के मुकाबले 108 रुपए की मामूली गिरावट के साथ 1,59,498 रुपए पर खुला। सुबह 9:56 पर यह 405 रुपए या 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,59,201 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,58,816 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,59,498 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ।

सोने के साथ चांदी में भी कमजोरी देखने को मिली। चांदी का 05 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,74,883 रुपए के मुकाबले 1,083 रुपए की कमजोरी के साथ 2,73,800 रुपए पर खुला। खबर लिखे जाने तक चांदी 533 रुपए या 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ

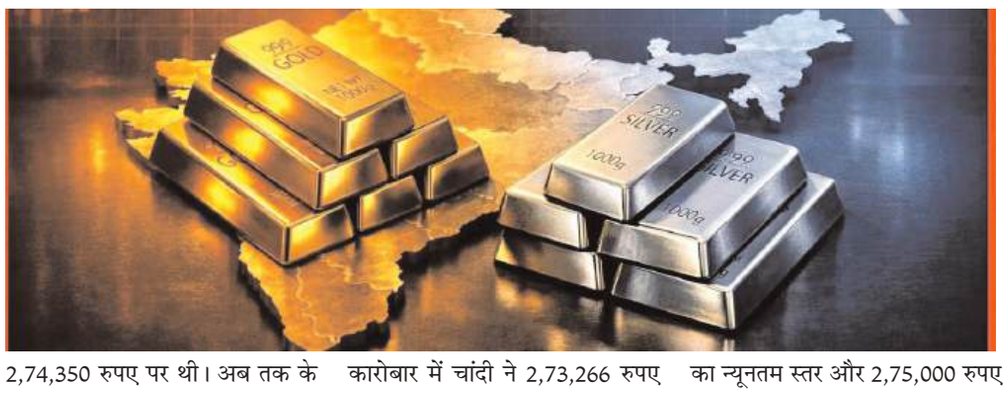

2,74,350 रुपए पर थी। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,73,266 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,75,000 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमती धातुओं की कीमतों में कमजोरी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोना 0.37 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,527 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76.88 डॉलर प्रति औंस पर थी।

वैश्विक स्तर पर अस्थिरता का दौर जारी है। हालांकि, ईरान की ओर से तनाव कम होने के संकेत मिलना है। ईरान की समाचार एजेंसी आईएसएनए का कहना है कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच मध्यस्थ के माध्यम से बातचीत जारी है, जिसमें दोनों पक्ष संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक समझौते का औपचारिक ढांचा स्थापित करने के प्रयास में संदेशों और ड्राफ्ट का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत सकारात्मक हुई है और दोनों मुख्य सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में थे।

न्यूज गैलरी

घरेलू सीजन 2026-27 का शेड्यूल 11 अक्टूबर से शुरू होगी रणजी ट्रॉफी

नईदिल्ली (ए.) भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट सीजन 2026-27 के शेड्यूल की घोषणा की है, जिसमें कुल 1,788 मैच (विभिन्न आयु वर्ग और प्रारूप में) खेले जाएंगे। आगामी सीजन की शुरुआत दलीप ट्रॉफी से होगी, जो 23 अगस्त से खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट के मैच बेंगलुरु में खेले जाने हैं। इसके बाद 1 से 5 अक्टूबर को ईरानी कप खेला जाएगा। यह प्रथम श्रेणी मैच श्रीनगर में आयोजित होगा। एक बार फिर, रणजी ट्रॉफी 2 हिस्सों में खेली जाएगी, जिसका दूसरा हिस्सा विजय हजारे ट्रॉफी के समापन के बाद शुरू होगा। रणजी ट्रॉफी का पहला चरण 11 अक्टूबर से शुरू होकर 5 नवंबर तक चलेगा। कार्यक्रम के मुताबिक, इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी का दूसरा चरण 17 जनवरी से 4 फरवरी, 2027 तक खेला जाएगा। इसके बाद नॉकआउट मैच 9 फरवरी से 3 मार्च तक खेले जाएंगे। प्लेट डिवीजन का फाइनल जनवरी 2027 के अंत में होगा। टी-20 प्रारूप में होने वाली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी नवंबर में लीग और नॉकआउट स्टेज के साथ खेली जाएगी। मुंबई, वाइजेक, कोलकाता और मोहाली 14 नवंबर से 26 नवंबर लीग चरण (एलीट) के मैचों की मेजबानी करेंगे, जबकि नॉकआउट मुकाबले 30 नवंबर से 6 दिसंबर तक नागपुर में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के प्लेट डिवीजन में लीग चरण 22 नवंबर को समाप्त हो जाएंगे और फाइनल 24 नवंबर को होगा। ये सभी मैच दीमापुर में खेले जाएंगे।50 ओवर प्रारूप में खेली जाने वाली विजय हजारे ट्रॉफी का शेड्यूल घोषित कर दिया है। यह टूर्नामेंट 14 दिसंबर, 2026 से 8 जनवरी, 2027 तक खेला जाएगा। नॉकआउट मैच 2 जनवरी, 2027 से शुरू होंगे।सीनियर महिला टी-20 ट्रॉफी (एलीट) 26 अक्टूबर से 6 नवंबर तक लखनऊ, पुणे, दिल्ली और मोहाली में खेली जाएगी। नॉकआउट मुकाबले 14 से 20 नवंबर तक अहमदाबाद में होंगे। प्लेट डिवीजन के मैच 2 नवंबर तक दीमापुर में खेले जाएंगे, जिसका फाइनल 4 नवंबर को होना तय है। महिला वनडे ट्रॉफी एलीट के लिए 19 दिसंबर से 31 दिसंबर तक कटक, जयपुर, बड़ौदा और रायपुर में मैच खेले जाएंगे, जबकि नॉकआउट मुकाबले 4 से 10 जनवरी तक चेन्नई में होंगे।

भारत में फीफा विश्व कप दिखाने पर सस्पेंस बरकरार, दूरदर्शन भी ब्रॉडकास्टिंग से हटा पीछे

नईदिल्ली। फुटबॉल का सबसे बड़ा टूर्नामेंट फीफा विश्व कप 2026 अगले महीने 12 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की मेजबानी में शुरू होने वाला है. लेकिन दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत में इस टूर्नामेंट को दिखाने को लेकर अभी तक कुछ भी तय नहीं हो सका है. जिसकी वजह से भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों को यह नहीं पता कि वे यह टूर्नामेंट कहां देख पाएंगे भी या नहीं.दरअसल फुटबॉल की गवर्निंग बॉडी फीफा ने शुरू में 2026 और 2030 विश्व कप के लिए भारत में इस टूर्नामेंट के मीडिया राइट्स पैकेज की कीमत लगभग 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर तय की थी. लेकिन, जब भारतीय ब्रॉडकास्टरों की ओर से इसमें बहुत कम दिलचस्पी दिखाई गई, तो बाद में फीफा ने इसकी मांगी गई कीमत घटाकर लगभग 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर कर दी. इसके बाद ये रिपोर्ट सामने आई की जिओस्टार ने 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर में मीडिया राइट्स की बोली लगाई, जिससे फीफा ने खारिज कर दिया.इसके बाद से अभी तक भारत में इस टूर्नामेंट को दिखाने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई. इसी बीच दिल्ली हाई कोर्ट में एक वकील द्वारा एक याचिका दायर करके ये मांग की गई कि फीफा विश्व कप 2026 का भारत में प्रसारण पब्लिक ब्रॉडकास्टर दूरदर्शन के जरिए किया जाए. याचिका में ये जोर दिया गया था कि टूर्नामेंट के शुरुआती मैच, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मैचों का दूरदर्शन और डीडी स्पोर्ट्स जैसे प्लेटफॉर्म पर मुफ्त में प्रसारण किए जाएं.इसी याचिका पर जब दिल्ली हाई कोर्ट में जस्टिस पुरुशेंद्र कुमार कौरव के सामने सुनवाई हुई तो कोर्ट में दूरदर्शन ने आधिकारिक तौर पर कोर्ट को बताया कि भारत में फीफा विश्व कप के राइट्स हासिल करने की जिम्मेदारी उसकी नहीं है. इससे ये साफ हो गया कि दूरदर्शन भी अब इस टूर्नामेंट को नहीं दिखाएगा. सबसे बड़ी समस्या टूर्नामेंट के समय को लेकर है. चूंकि ये टूर्नामेंट अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेले जाने हैं, और उनके कार्यक्रम के अनुसार भारत में ये मैच देर रात और सुबह के समय प्रसारित होंगे।

81 रुपए प्रति किलो के पार पहुंची कीमत, 10 दिनों में तीसरी बार बढ़े दाम

दिल्ली में सीएनजी की कीमतों में एक रुपए की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की खुदरा कीमत में 1 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई। पिछले 10 दिनों में यह तीसरी बार है, जब कीमतों में बदलाव किया गया है।

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) के अनुसार, नई दिल्ली में सीएनजी की कीमत 80.09 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 81.09 रुपए प्रति किलो हो गई है। वहीं, पड़ोसी शहरों नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की कीमत बढ़कर 89.70 रुपए प्रति किलो हो गई है, जबकि गुरुग्राम में यह 86.12 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।इससे पहले 15 मई को सीएनजी की कीमत में 2 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई थी, जबकि 17 मई को इसमें 1 रुपए प्रति किलो का इजाफा हुआ था।

सीएनजी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का असर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों और गैस से चलने वाले वाहनों का इस्तेमाल करने वाले यात्रियों पर पड़ने की संभावना है। इससे घरेलू खर्च और लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ सकती है।

इस बीच, सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी की। करीब 10 दिनों में यह तीसरी बार है जब ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं।

पेट्रोल की कीमत में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण की गई है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर पड़ रहा है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 98.64 रुपए से बढ़कर 99.51 रुपए प्रति लीटर हो गई, जबकि डीजल 91.58 रुपए से बढ़कर 92.49 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, यह बढ़ोतरी देश भर के कई शहरों में एक समान रूप से लागू की गई है।

कोलकाता में पेट्रोल की कीमत बढ़कर 110.64 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल 97.02 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। मुंबई में पेट्रोल 108.49 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.02 रुपए प्रति लीटर हो गया है।ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर आलोचना के जवाब में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के बावजूद भारत ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को सीमित रखने में सफलता हासिल की है।

देश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है : इंडियन ऑयल

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने शनिवार को कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल की ओवरऑल कोई कमी नहीं है। कुछ पेट्रोल पंपों पर सप्लाई में जो दिक्कतें सामने आई हैं, वे स्थानीय और अस्थायी हैं।

आईओसी ने एक बयान में कहा कि यह छोटी-छोटी दिक्कतें कुछ क्षेत्रों में मांग और आपूर्ति के असंतुलन तथा बिक्री के बदलते पैटर्न की वजह से हुई हैं। कंपनी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और इन अलग-अलग समस्याओं को दूर करने के लिए जरूरी कदम उठा रही है, ताकि ग्राहकों को बिना रुकावट ईंधन मिलता रहे।बयान में कहा गया, हम ग्राहकों और आम जनता को आश्वस्त करना चाहते हैं कि देश में पेट्रोल और डीजल की ओवरऑल कोई कुल कमी नहीं है। कुछ रिटेल आउटलेट्स पर जो स्थिति दिखाई दे रही है, वह पूरी तरह स्थानीय और अस्थायी है। यह कुछ इलाकों में मांग-आपूर्ति के असंतुलन और बिक्री के बदले हुए पैटर्न के कारण हुई है।

आईओसी के अनुसार, कुछ पेट्रोल पंपों पर मांग बढ़ने की वजह डीजल की मौसमी मांग में बढ़ोतरी रही, जो फसल कटाई के मौसम के दौरान देखी गई। इसके अलावा, निजी पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कीमतें अपेक्षाकृत ज्यादा होने के कारण ग्राहक सरकारी पंपों की ओर शिफ्ट हुए। सार्वजनिक क्षेत्र के पंपों पर संस्थागत खरीद भी बढ़ी है।कंपनी ने कहा कि उसके 42,000 से ज्यादा पेट्रोल पंपों के नेटवर्क में केवल बहुत कम संख्या में आउटलेट्स पर सप्लाई बाधित हुई है, जबकि अधिकांश पंपों पर स्टॉक और आपूर्ति सामान्य और पर्याप्त बनी हुई है।सरकारी तेल विपणन कंपनियां देश भर में पर्याप्त ईंधन भंडार बनाए हुए हैं और अलग-अलग जगहों पर आई बाधाओं को दूर करने के लिए लगातार कदम उठा रही हैं, ताकि सप्लाई बिना रुकावट जारी रहे।आईओसी ने कहा, मांग में लगातार और असाधारण वृद्धि के बावजूद इंडियन ऑयल देश भर में ग्राहकों की जरूरतों को लगातार पूरा कर रहा है।

श्रेयस अय्यर ने पहला आईपीएल शतक जड़कर पूरे किए 7,000 टी-20 रन

नईदिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 68वें मुकाबले में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी (101*) खेली। यह उनका पहला आईपीएल शतक रहा, जिसे उन्होंने 51 गेंदों में पूरा किया। पारी का 25वां रन बनाते ही उनके टी-20 करियर में 7,000 रन पूरे हो गए। उनकी इस पारी की बदौलत पंजाब किंग्स की टीम अहम जीत दर्ज करने में सफल रही। इपंजाब किंग्स को 197 रन के लक्ष्य का

पीछा करते हुए 22 रन के कुल स्कोर पर 2 बड़े झटके लग गए थे। इसके बाद बल्लेबाजी पर आए श्रेयस ने प्रभसिमरन सिंह (69) के साथ स्कोर को आगे बढ़ाया। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 140 रन की शतकीय साझेदारी भी हुई। इस दौरान श्रेयस ने पहले अर्धशतक जड़ा और फिर उसे शतक में तब्दील कर दिया। वह 11 चौके और 5 छक्कों से 101 रन बनाकर नाबाद रहे। श्रेयस ने कप्तान के तौर पर आईपीएल में अपने 3,000 रन भी पूरे कर लिए। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सिर्फ छठे बल्लेबाज बने हैं। उनसे पहले ये कारनामा डेविड वार्नर (3,356 रन), गौतम गंभीर (3,518 रन), रोहित शर्मा (3,986 रन), महेंद्र सिंह धोनी (4,753 रन) और विराट कोहली (4,994 रन) ने किया था।

गुरिंदरवीर सिंह ने 100 मीटर दौड़ में रचा इतिहास

(रांची)गुरिंदरवीर सिंह ने 100 मीटर दौड़ में रचा इतिहास, तेजस्विन शंकर डेकाथलॉन में 8000 पॉइंट्स पार करने वाले बने पहले भारतीय

रांची,24 मई। मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित 29वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता में भारतीय एथलेटिक्स ने आज एक ऐतिहासिक दिन देखा. पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह और तमिलनाडु के विशाल टीके ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन कर ट्रैक पर आग लगा दी. जबकि तेजस्विन शंकर डेकाथलॉन में 8000 अंक का आंकड़ा पार

करने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए. सबसे पहले पुरुष 100 मीटर दौड़ में पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10.09 सेकेंड का समय निकाला और नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. उन्होंने शुक्रवार को सेमीफाइनल में 10.17 सेकेंड का समय निकाला था, जबकि फाइनल में अपने प्रदर्शन को और बेहतर करते हुए स्वर्ण पदक जीता. इसके साथ ही उन्होंने 10.16 सेकेंड के ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स क्वालिफिकेशन मार्क को भी पार कर लिया. गुरिंदरवीर ने पिछले वर्ष अनिमेष कुजूर द्वारा बनाए गए 10.18 सेकेंड के मीट रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया. रेस के बाद गुरिंदरवीर सिंह ने कहा कि यह रिकॉर्ड इस बात का प्रमाण है कि वह अभी खत्म नहीं हुए हैं और उनके पैरों में अब भी दम बाकी है. उनके कोच जेम्स हिलियर ने कहा कि गुरिंदरवीर लगातार रेस प्लान को बेहतर तरीके से लागू करना सीख रहे हैं।

अंतरात्मा की आवाज पर चुना लुटेरी दुल्हन में ग्रे शेड वाला किरदार: सान्विका

वेब सीरीज पंचायत में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज लुटेरी दुल्हन में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी।

अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया। अभिनेत्री से पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?

आईसीसी ने टेस्ट मैच में लाल की जगह गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का रखा प्रस्ताव

नईदिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) टेस्ट और वनडे में लाल गेंद, सफेद गेंद और गुलाबी गेंदों के इस्तेमाल के लिए खेल की परिस्थितियों में बड़े बदलाव पर विचार कर रही है।

क्रिकबज के अनुसार, अहम प्रस्तावों में टीमों को टेस्ट मैच के बीच में लाल गेंद की जगह गुलाबी गेंद को चुनने की अनुमति देना शामिल है। यह तभी संभव होगा जब दोनों टीमें सहमत हों और इसका उपयोग खराब मौसम के कारण खेल

बाधित होने की स्थिति में किया जाए। अन्य प्रस्तावित बदलावों में वनडे मैचों में ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान मुख्य कोच को मैदान में प्रवेश की अनुमति देना शामिल है, जिसका उद्देश्य रणनीतिक चर्चाओं को बेहतर बनाना है। आईसीसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पारी के ब्रेक का समय 20 मिनट से घटाकर 15 मिनट करने की योजना बना रही है। एक अन्य प्रस्ताव यह है कि मैदान पर मौजूद अंपायरों को मैचों के दौरान गेंदबाजों की अवैध क्रियाओं की जांच के लिए हॉकआई डाटा तक पहुंच दी जाए। टेस्ट मैचों में लाल गेंद की जगह गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का प्रस्तावित बदलाव अभी भी विचाराधीन है। आईसीसी क्रिकेट कमेटी के अध्यक्ष सौरव गांगुली के साथ गुरुवार को हुई ऑनलाइन बैठक में आईसीसी की मुख्य कार्यकारी समिति ने इन प्रस्तावों पर चर्चा की। हालांकि, इस बदलाव के संचालन संबंधी विवरण अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुए हैं, लेकिन इससे टेस्ट क्रिकेट में क्रांतिकारी परिवर्तन आ सकता है। लाल और गुलाबी टेस्ट गेंदों में मुख्य अंतर उनकी बनावट में है, जो अलग-अलग खेल परिस्थितियों के लिए बनाई जाती हैं और पिच पर उनके व्यवहार को प्रभावित करती हैं। लाल गेंदों पर मोम की परत होती है।

शरवरी वाघ को बेहद पसंद आई पंजाब की संस्कृति, बोलीं- वहां के लोग बेहतरीन

अभिनेत्री शरवरी वाघ अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में जुटीं शरवरी ने बताया कि उन्होंने किरदार को बेहतर तरीके से समझने के लिए अपनी मां के साथ पंजाब की यात्रा की थी। उन्हें पंजाब का कल्चर और वहां के लोग काफी पसंद आए। शरवरी ने कहा, मेरा बैकग्राउंड महाराष्ट्रीयन है। पंजाब की संस्कृति, वहां के लोगों और खाने को समझने के लिए मैं वहां जाना चाहती थी। इम्तियाज अली पंजाब के बारे में इतने प्यार से बात करते हैं कि मुझे लगा, मुझे खुद वहां जाकर सब कुछ महसूस करना चाहिए, वहां के बारे में समझना चाहिए।

उन्होंने आगे बताया, मैं इम्तियाज से पंजाब के बारे में सुनकर महसूस करती थी कि कहीं ना कहीं मुझमें कमी है, इसलिए मैं अपनी मां को साथ लेकर पंजाब चली गई। हम वहां घूमे-फिरे और पर्यटक वाली सारी चीजें कीं, खाना खाया, ऐतिहासिक जगहों पर गए और पार्टीशन म्यूजियम भी घूमे। शरवरी ने कहा कि वे नई चीजों को हमेशा पहली बेंच पर बैठने वाले स्टूडेंट की तरह उत्साह से सीखती हैं। उन्होंने बताया, मुझे नोट्स बनाना, रिसर्च करना और नई चीजें जानना बहुत पसंद है। पंजाब जाने से पहले मैंने इम्तियाज से कहा भी था कि मुझे स्क्रिप्ट पढ़ने से पहले वहां जाना है।अभिनेत्री ने पंजाब के लोगों की खूब तारीफ की।

उन्होंने कहा, मैंने वहां सब कुछ बिना किसी रिसर्च प्रेशर के किया। बस इसलिए कि मुझे उस जगह से प्यार हो जाए और सच में मुझे पंजाब से प्यार हो गया। मुझे लगता है कि पंजाब के लोग दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में शामिल हैं।निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में शरवरी एक पंजाबी महिला का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में उनके साथ वेदांग रैना भी अहम किरदार में हैं। 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सपने वर्सेस एवरीवन पर फिल्म बनाने की तैयारी

द वायरल फीवर (टीवीएफ) की लोकप्रिय वेब सीरीज सपने वर्सेस एवरीवन अपने दूसरे सीजन के साथ दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रही है। 5 एपिसोड वाली इस सीरीज का प्रीमियर अमेजन प्राइम वीडियो पर किया गया है। ताजा अपडेट है कि सीरीज की जबरदस्त सफलता को देखने के बाद, टीवीएफ अभिनेता और निर्माता अंबरीश वर्मा के साथ एक फीचर फिल्म बनाने की योजना पर काम कर रहा है। यह अपडेट बेशक सीरीज के फैंस को खुश कर देगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, चर्चित सीरीज मिर्जापुर की तर्ज पर, निर्माता सपने वर्सेस एवरीवन पर फीचर फिलम बनाने का विचार कर रहे हैं। इस बारे में बात करते हुए एक सूत्र ने कहा, अंबरीश वर्मा बड़े पर्दे के नए चहेते

अभिनेता बनकर उभरे हैं। सपने वर्सेस एवरीवन 2 की सफलता के बाद, टीवीएफ अब इस सीरीज पर आधारित एक पूर्ण फीचर फिल्म बनाने की योजना बना रहा है, जिसमें अंबरीश मुख्य भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे सीजन की सफलता के बाद, निर्माता इस फ्रैंचाइजी को और आगे बढ़ाने के लिए बेहद आशावादी नजर आ रहे हैं। अंबरीश की सहज उपस्थिति और शो की भावनात्मक रूप से गहराई से जुड़ी कहानी दर्शकों को बहुत पसंद आ रही है। इस बीच, फिल्म बनाए जाने की संभावना ने फैंस को बेहद उत्साहित कर दिया है। अब देखना दिलचस्प होगा कि निर्माता फीचर फिल्म बनाने की दिशा में आगे क्या फैसला लेते हैं।

जीतो के जॉब फेयर में बड़ी संख्या में पहुंचे युवा, मेले में आए हजारों आवेदन राष्ट्रीय कंपनियों को भेजे जाएंगे

जबलपुर । नवप्रदेश

जबलपुर में शन आयोजित राष्ट्रीय जीतो जॉब फेयर 3.0 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। रोजगार मेले का उद्घाटन समाजसेवी सुबोध जैन, संजीव चौधरी, शैलेश जैन, डॉ. विमल जैन , राकेश जैन जैनु एवं जितेन्द्र पचौरी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

आयोजन के प्रभारी भानु जैन एवं संदीप जैन न बताया की इस राष्ट्रीय रोजगार मेले में बड़ी संख्या में युवक-युवतियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। आयोजन समिति के अनुसार मेले में 1023 युवक-युवतियां उपस्थित हुए, जबकि ऑनलाइन माध्यम से करीब 2100 आवेदन प्राप्त हुए।

इस महा रोजगार मेले में देशभर की 108 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया। आईटी, फाइनेंस, मैन्युफैक्चरिंग, रिटेल, एजुकेशन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र की नामी कंपनियों ने योग्य उम्मीदवारों का चयन किया।स्थानीय स्तर पीआर भी 21 कंपनियों ने भाग लिया .

आयोजन समिति के हर्ष वर्धन,हर्ष चौधरी,संकेत चौपड़ा,प्रभाकर , ने बताया कि मेले में प्राप्त सभी आवेदनों को सहभागी कंपनियों तक भेजा जाएगा, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें। रोजगार मेले में युवाओं ने विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से सीधे संवाद कर रोजगार संबंधी जानकारी भी प्राप्त की।

इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के आयोजन युवाओं को रोजगार से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और भविष्य में भी ऐसे रोजगार मेलों का आयोजन जारी रहेगा।इस आयोजन में अंशुल जैन,प्रवीण सिंघई, अशोक सिंघई,संदीप जैन राजा,सी.ए.मयंक सिंघई,प्रभाकर जैन का विशेष सहयोग मिला।

एआईडीईएफ ने स्थापना दिवस मनाया

जबलपुर । नवप्रदेश

ऑल इंडिया डिफेंस एम्पलाइज फेडरेशन ए आई डी ई एफ ने रविवार को यहां अपना स्थापना दिवस मनाया. यहां श्रमिक नेताओं ने श्रम नीतियों को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट की और मजदूरों के हित में संघर्ष करने का संकल्प लिया.

मीडिया प्रमुख उत्तम विश्वास ने बताया 24 मई, 1953 को स्थापित, एआईडीईएफ आज अपने 73वें साल में प्रवेश कर चुका है और देश के डिफेंस इंडस्ट्री में मज़दूर आंदोलन के शानदार इतिहास के धारक और वाहक के रूप में खुद को स्थापित कर चुका है। आज़ादी के बाद के भारत के डिफेंस प्रोडक्शन सिस्टम को मज़बूत करने, मज़दूरों के उचित अधिकारों को स्थापित करने, काम पर सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करने और मज़दूर एकता की नींव को मज़बूत करने में एआईडीईएफ का योगदान निर्विवाद है।

एआईडीईएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एसएन पाठक ने कहा डिफेंस इंडस्ट्री में कॉर्पोरेटाइज़ेशन, प्राइवेटाइज़ेशन,

मज़दूर विरोधी नीतियों और लेबर लॉ में बदलाव का मौजूदा ट्रेंड, जिससे मज़दूरों और कर्मचारियों के अधिकारों को कम किया जा रहा है, बहुत चिंता की बात है। इस मुश्किल समय में, एआईडीईएफ की बनाई विचारधारा–एकता, संघर्ष और एकजुटता–हमें रास्ता दिखाती है। एआईडीईएफ के राष्ट्रीय महासचिव कामरेड सी कुमार ने कहा आज सभी मज़दूरों और कर्मचारियों को अपने अधिकारों की रक्षा और देश के आत्मनिर्भर डिफेंस इंडस्ट्री के लिए संगठन के झंडे तले एकजुट होने और एक होने की ज़्यादा ज़रूरत है।

ऑर्डिनेंस फैक्टरी, जिसकी मिट्टी में डिफेंस प्रोडक्शन की लंबी परंपरा और मज़दूर आंदोलनों का एक समृद्ध इतिहास रहा है, एआईडीईएफ की विचारधारा को मज़बूती से आगे बढ़ा रहा है। हमारा मानना है कि मज़दूरों की एकजुट ताकत ही भविष्य की सभी चुनौतियों का सामना करने का मुख्य आधार है।

जबलपुर एआईडीईएफ के संगठन मंत्री अर्नब दास गुप्ता और मेंबर अमरीश सिंह ने कहा एआईडीईएफ के 73वें स्थापना दिवस पर, हम शपथ लेते हैं हम देश के हित में मज़दूरों के सही अधिकारों, सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और रक्षा उत्पादन सिस्टम की रक्षा करने के लिए और ज़्यादा संगठित, मज़बूत और ज़्यादा जुझारू बनेंगे।

कटनी ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के शिव पांडे ने कहा एकता हमारी ताकत है, संघर्ष हमारा रास्ता है, मज़दूरों के हितों की रक्षा करना हमारा वादा है।जीसीएफ के रोहित यादव विनय गुप्ता खमरिया के पुष्पेंद्र सिंह सुकेश दुबे व्हीकल फैक्ट्री के वीरेन्द्र साहू नितेश सिंह जी आई एफ के राकेश दुबे मनोज साहू इटारसी फैक्ट्री के माखन कहार राम कुमार चौधरी कटनी फैक्ट्री के नरेंद्र पटेल ने सभी कर्मचारियों को बधाई दी.

नवाचारों और बुनियादी विकास को सराहा

केन्द्रीय राज्य मंत्री ने की जबलपुर नगर निगम और स्मार्ट सिटी के कार्यों की समीक्षा

जबलपुर।नवप्रदेश

भारत सरकार के केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने नगर निगम और स्मार्ट सिटी जबलपुर के अंतर्गत संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं और लोक–कल्याणकारी कार्यों की समीक्षा की।

समीक्षा बैठक में केन्द्रीय राज्य मंत्री ने शहर में बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और नागरिक सेवाओं में किए गए बेहतरीन नवाचारों के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बारी-बारी से नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी के कार्यों के प्रगति की जानकारी दी। जनकारी के पश्चात मंत्री साहू ने नगर निगम और स्मार्ट सिटी के कार्यों की सराहना करते हुए अच्छे कार्यों के लिए सभी को बधाई दी और स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान में बेहतर रैंक प्राप्त करने की शुभकामनाएं भी दी। बैठक के दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री साहू ने स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत चल रही प्रगति और केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान राशि से क्रियान्वित की जा रही विभिन्न महत्वाकांपरियोजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस कल्चरल इन्फॉर्मेशन सेन्टर के संचालन और शहर की ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने के लिए चलाई जा रही हेरिटेज कन्जर्वेशन परियोजनाओं की प्रगति को सराहा, मदन महल ईको जोन के विकास और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए तैयार किए जा रहे इंफ्रास्ट्रक्चर की प्रशंसा की गई। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए नॉन-मोटराइज्ड ट्रांसपोर्ट के निर्माण, प्रमुख चैराहों के सौंदर्यीकरण व विकास, इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम और इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के सुचारू संचालन को आधुनिक शहर की दिशा में बड़ा कदम बताया। केन्द्रीय राज्य मंत्री ने शहर के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने वाली बुनियादी योजनाओं की भी गहन समीक्षा की, जिनमें अमृत-1 और अमृत-2 सीवरेज स्कीम्स के क्रियान्वयन तथा जलप्रदाय योजना के अंतर्गत प्रस्तावित आगामी कार्यों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी सराहा गया। पूरे शहर में ऊर्जा की बचत के लिए स्थापित की जा रही एल.ई.डी. स्ट्रीट लाइट्स और युवाओं को स्वरोजगार व नए आइडियाज के लिए मंच देने वाले जबलपुर इन्क्यूबेशन सेन्टर के कार्यों को सराहा। सिटीज 2.0 के तहत आने वाले प्रोजेक्ट्स, नगर निगम की राजस्व बढ़ाने वाली स्वीकृत परियोजनाओं और प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के अंतर्गत गरीबों के लिए बनाये जा रहे पक्के मकानों के कार्यों की सराहना की। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत जबलपुर नगर निगम द्वारा कचरा प्रबंधन, सफाई व्यवस्था और जन-जागरूकता के लिए किए गए बेहतरीन और अनूठे नवाचारों की प्रस्तुति दी गई।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने किया निरीक्षण

गंगा दशहरा पर संग्राम सागर तालाब में होगा स्वच्छता श्रमदान

जबलपुर। नवप्रदेश

राज्य शासन के निर्देशा नुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशहरा के पावन अवसर पर सोमवार 25 मई को सुबह 8 बजे से शहर के ऐतिहासिक और आस्था के केंद्र संग्राम सागर तालाब को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह के मुख्य आतिथ्य में जनप्रतिनिधियों, क्षेत्रीय नागरिकों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति में स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। मंत्री सिंह ने कार्यक्रम के पूर्व आज रविवार को संग्राम सागर तालाब परीसर क्षेत्र का पैदल भ्रमण का निरीक्षण किया और आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जायजा लिया। निरीक्षण के अवसर पर मंत्री सिंह ने कहा कि स्वच्छता श्रमदान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ हमारी जल संरचनाओं को सहेजना है। इस भव्य आयोजन की तैयारियों को लेकर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने संग्राम सागर तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि श्रमदान कार्यक्रम पूरी गरिमा और सुचारू रूप से संपन्न हो सके। मंत्री सिंह ने स्थानीय नागरिकों से भी अपील की है कि वे इस महापर्व पर अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए बड़ी संख्या में श्रमदान के लिए आगे आएं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के साथ स्थानीय प्रबुद्धजन आदि उपस्थित रहे।

बाथरूम में बेहोश होकर गिरी महिला की मौत

जबलपुर। रांझी थानान्तर्गत मोहनिया कलारी के पास रहने वाली एक महिला कल अपने घर के बाथरूम में बेहोश होकर गिर गई थी। घटना में महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लेते हुए महिला के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। रांझी पुलिस ने बताया कि मोहनिया कलारी निवासी रोहित झारिया ने कल पुलिस को सूचना दी कि उसके मोहल्ले की एक महिला श्रीमती कृष्णा चौधरी कीअपने घर के बाथरूम में बेहोश होकर गिरने से मौत हो गई है। सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया।

कोरियर वाला बनकर वृद्ध की चेन खींची

जबलपुर । ग्वारीघाट थानान्तर्गत न्यू पीपी कालोनी में रिटायर्ड रेल कर्मचारी के घर में कल दोपहर लगभग ढाई बजे कोरियर कम्पनी का डिलेवरी बॉय बनकर आये अज्ञात लुटेरे ने वृद्ध के गले से झपट्टा मारकर सोने की चेन खींच ली। घटना के बाद आरोपी कुछ दूरी पर खड़ी अपनी दोपहिया गाड़ी को चालू कर भाग गये। उक्त चेन की कीमत चालीस हजार रूपए बतायी गई है। ग्वारीघाट पुलिस ने बताया कि न्यू पीपी कालोनी ग्वारीघाट निवासी महेश कुमार शर्मा रेल्वे से सेवानिवृत्त हैं। कल दोपहर लगभग ढाई बजे जब वे अपने घर पर थे तभी उन्हें घर के बाहर किसी के बुलाने की आवाज आई तो वे बाहर निकल आये उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति उनके घर के सामने खड़ा था जो अपने हाथ में लिफाफा लिये हुए था वृद्ध के पूछने पर बताया कि वह एक कोरियर कम्पनी का कर्मचारी है जो डिलेवरी देने आया है।

कंप्यूटर ऑपरेटर्स के एरियर भुगतान पर निगमायुक्त का जताया आभार

जबलपुर । नगर निगम के 345 कंप्यूटर ऑपरेटर्स को 12 माह से लंबित लगभग 60 लाख रुपये के एरियर भुगतान किए जाने पर तकनीकी अधिकारी कर्मचारी संघ एवं मध्यप्रदेश नगर निगम-नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय संगठन सचिव कपिल दुबे ने महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अपर आयुक्त तथा सहायक आयुक्त अंकिता जैन के प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को लंबे समय से लंबित भुगतान मिलने से बड़ी राहत मिली है।

डीजल पेट्रोल महंगा होने से बढेगी महंगाई

जबलपुर । मध्य प्रदेश कांग्रेस के ओबीसी विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष टीकाराम कोष्टा ने पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव समाप्त होते ही आम जनता पर महंगाई का बोझ बढ़ा दिया गया है। कोष्टा का आरोप है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें कम होने के बावजूद सरकार ने राहत नहीं दी, जबकि दाम बढ़ते ही पेट्रोल-डीजल महंगे कर दिए गए। उन्होंने कहा कि इससे परिवहन खर्च बढ़ेगा और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम भी प्रभावित होंगे। कांग्रेस नेताओं ने सरकार से महंगाई पर नियंत्रण कर जनता को राहत देने की मांग की है।

कांबिंग गश्त में पकड़े गये 234 वारंट किए तामील

जबलपुर । जबलपुर में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा शनिवार रात विशेष कांबिंग गश्त अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने वर्षों से फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। रात 9 बजे से तड़के 2 बजे तक चली इस मुहिम में 234 वारंट तामील किए गए। अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने 121 गैर म्यादी वारंट, 61 गिरफ्तारी वारंट और 52 जमानती वारंट तामील किए। इस तरह से कुल 234 वारंटी जो लंबे समय से फरार चल रहे थे उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। कांबिंग गश्त के दौरान पुलिस ने सक्रिय बदमाशों की निगरानी करते हुए देर रात घूमने वाले लोगों से पूछताछ की। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और मुसाफिरखानों में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

कहां है डॉग स्काड और पुलिस का खुफ़िया तंत्र

फिंगर रिपोर्ट न मिलने से नहीं हो पा रही जांच

जबलपुर। नवप्रदेश

गोराबाजार पुलिस थाने के अंतर्गत कजरवारा पुरानी बस्ती में हुई चोरी करने वाले आज भी पुलिस गिरफ्त से दूर है। थाना प्रभारी कपिल शर्मा से प्रताड़ित पक्ष सतत् संपर्क बनाए हुए हैं।पुलिस विभाग के कर्मचारी फिंगर प्रिंट तो ले गए लेकिन आज 13 दिन पश्चात भी फिंगर प्रिंट की रिपोर्ट गोराबाजार थाने में नहीं दी गई है। जिससे पुलिस भी चोरों की संख्या के हिसाब से जांच नहीं कर पा रही है, पुलिस अनुमान लगा रही है कि दो आलमारी के ताले तोड़ने के लिए चोरों की संख्या करीबन चार रही होगी, यदि फिंगर रिपोर्ट भी समय पर मिल जाए तो चोरों की संख्या उजागर हो सकती है।

थानों में पुलिस कर्मचारियों की संख्या कम होने के कारण अपराधों पर तत्काल कार्यवाही नहीं हो पा रही है, वहीं चोरी की जांच के लिए कुत्तों को भी जांच में नहीं लगाया, यदि कुत्तों को चोरी वाले स्थान के आधार पर जांच की जाती तो आज चोर पुलिस की गिरफ्त में होते, घटना स्थल से बरामद जूतों की जांच भी सुराग बन सकते थे लेकिन जांच की समय पर व्यवस्था, थानों में अमले की कमी से कजरवारा पुरानी बस्ती में दहशत बनी हुई है, यहां सभी आशंकित है कि अब चोर किसी के घर में भी चोरी कर सकते हैं।

विदित है विगत 10 मई की रात को कजरवारा पुरानी बस्ती निवासी कंधी लाल उपाध्याय के आवास के अंदर दो गोदरेज की आलमारी के ताले को बिना तोड़े हुक से लॉक की रॉड बाहर कर अंदर के लाकर से सोने की चैन, चार अंगूठी, हार वाला मंगल सूत्र, चार सोने की चूड़ियां और नगद पैसे चोर ले गए। कंधी लाल उपाध्याय चोरी वाले दिन बिलहरी में अपने पुत्र के यहां रुके हुए थे शहर विकास संघर्ष समिति के पंडित राम दुबे, संजय यादव, अटल उपाध्याय, शेखर मिश्रा, मुकेश सिंह, संजय कपूर, विवेक शुक्ला, अरविंद दुबे, एडवोकेट विनीत उपाध्याय, राजेश यादव, राम शंकर शुक्ला, अन्नू पटेल मालगुजार ने जल्द फिंगर रिपोर्टों के आधार पर चोरों की जल्द गिरफ्तारी और चोरी गए सामान की बरामदगी करने की मांग की है।

वर्षा पूर्व तैयारियों के संबंध में बैठक कल

जबलपुर। अतिवर्षा, बाढ़, अग्नि दुर्घटना तथा अन्य आपदाओं की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारी को लेकर मंगलवार 26 मई को शाम 5 बजे कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई है। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष क्रमांक 57 में होने वाली इस बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को कार्ययोजना सहित उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

बेलगाम ई रिक्शा की टक्कर से दो घायल

जबलपुर। संजीवनी नगर थानान्तर्गत कल दोपहर लगभग डेढ़ बजे कछपुरा ब्रिज के नीचे हनुमान मंदिर के समीप एक तेज रफ्तार ई रिक्शा के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। घटना में जहॉ स्कूटी समेत गिरने से चालक को चोटे आयी हैं वही ई रिक्शा भी अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दौरान ई रिक्शा में सवार एक व्यक्ति भी घायल हो गया। संजीवनी नगर पुलिस ने बताया कि छोटे जैन मंदिर गढ़ा निवासी लखन पटेल पुष्पक नगर से गढ़ा बाजार की ओर एक्टिवा से जा रहा था तभी दोपहर लगभग डेढ़ बजे कछपुरा ब्रिज के नीचे हनुमान मंदिर के समीप पीछे की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ई रिक्शा क्रमांक एमपी 20 एक्स ए के 9095 के चालक ने लापरवाही से चलाते हुए एक्टिवा सवार लखन पटेल को टक्कर मार दी।

ताल, सुर और तरन्नुम के बीच सजी मेलोडी नाईट

जबलपुर । नवप्रदेश

महाकौशल शहीद स्मारक ऑडिटोरियम शनिवार की शाम सुर, संगीत और यादों की अनूठी महफिल का साक्षी बना, जहां मैलोडी नाइट के रूप में आयोजित संगीत संध्या ने श्रोताओं को पुराने दौर की मधुरता और नए अंदाज की ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

गीत गाता चल और जस्सी संधु के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में भोपाल और जबलपुर के चुनिंदा कलाकारों ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों से देर रात तक समां बांधे रखा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसके निगम रहे, जबकि सेलिब्रिटी गेस्ट के रूप में सूरज चड्ढा और विशिष्ट अतिथि के रूप में सतविंदर कौर उपस्थित थे। मंच पर रोशनी की जगमगाहट, मधुर संगीत की स्वर लहरियां और श्रोताओं की तालियों ने पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया। कार्यक्रम की खास प्रस्तुति बॉलीवुड सिंगर असलम हमदुले की रही, जिनकी आवाज ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पुराने दौर की यादों में पहुंचे श्रोता

संगीत संध्या का आगाज भक्ति बावरिया और योगेन्द्र प्रधान की प्रस्तुति ओ सपनों के राजा... से हुआ। दोनों कलाकारों की मधुर आवाज ने श्रोताओं को पुराने दौर की यादों में पहुंचा दिया। इसके बाद डॉली सरीन और नरेन्द्र कल्याण ने ये दिल तुम बिन कहीं लगता नहीं... गीत सुनाकर प्रेम और भावनाओं से भरा वातावरण निर्मित किया। कार्यक्रम आगे बढ़ा तो राजेश सरीन और सुनीता गौतम की युगल प्रस्तुति देखा इक ख्वाब... ने दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। वहीं रवि श्रीवास्तव ने जिक्र होता है... गीत को अपनी संजीदा आवाज में प्रस्तुत कर संगीत प्रेमियों का दिल जीत लिया। बॉलीवुड गायक असलम हमदुले जब मंच पर पहुंचे तो सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उन्होंने मेरा जूता है जापानी... गीत को अपने अंदाज में प्रस्तुत कर माहौल में नई ऊर्जा भर दी। इसके बाद राजेश सरीन ने तारों में सज के... गीत सुनाकर श्रोताओं को भावनाओं के समंदर में डुबो दिया। कार्यक्रम में लक्ष्मण सिंह की प्रस्तुति आने से उसके आए बहार... विशेष आकर्षण रही। वहीं एकता सिंह ने मेरे ख्वाबों में जो आए... गीत के जरिए मंच पर रोमांटिक रंग बिखेरे। जस्सी संधु ने पंजाबी गीत गलां गोरियां दे... से माहौल में उत्साह और उमंग घोल दी, जबकि मानसी सिंह की प्रस्तुति डार्लिंग... पर युवा दर्शक झूम उठे।

जुगलबंदी ने थिरकने पर किया मजबूर

संगीत संध्या का सबसे यादगार क्षण तब आया, जब लक्ष्मण सिंह और असलम हमदुले ने झूम बराबर झूम... गीत की शानदार ड्यूट प्रस्तुति दी। दोनों कलाकारों की जुगलबंदी ने पूरे सभागार को थिरकने पर मजबूर कर दिया। देर रात तक चले इस सुरमयी आयोजन का समापन असलम हमदुले की भावपूर्ण प्रस्तुति तेरे जैसा यार कहां... के साथ हुआ।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुदित एवं फ्लैट नंबर 402 कौशल्या विहार, नेपियर टाउन, 482001 से प्रकाशित, मो. 6262188999 (न्याय क्षेत्र जबलपुर)।